अंतर्दृष्टि-3

ISSUE 3
(JULY- SEPTEMBER 2024)

ITM
UNIVERSITY
GWALIOR • MP • INDIA
"CELEBRATING DREAMS"

ITM UNIVERSITY GWALIOR

-BUDDHA

"Believe nothing, no matter where you read it, or who said it, no matter if I have said it, unless it agrees with your own reason and your own common sense."

MESSAGE

Prof. Dr. Yogesh Upadhyay

Vice Chancellor, ITM University Gwalior

ITM University has grown into a renowned institution, thanks to the unwavering dedication of our faculty, students, and alumni. Our students' achievements have made us immensely proud. They are excelling in diverse fields, inspiring us all with their accomplishments. This magazine celebrates their successes and highlights the myriad opportunities we offer at ITM University.

We are committed to providing a transformative educational experience that equips our students with the knowledge, skills, and confidence to thrive in the ever-evolving world. Our state-of-the-art facilities, cutting-edge curriculum, and supportive environment create an ideal space for learning and growth.

As we look towards the future, I am filled with optimism for ITM University. We aspire to be a global leader in education, nurturing innovative minds and shaping the leaders of tomorrow. We will continue to invest in our faculty, infrastructure, and research initiatives to ensure that our students receive the best possible education.

I encourage aspiring students to consider ITM University as your partner in achieving academic excellence and personal growth. Our dedicated faculty, supportive staff, and vibrant student community will provide you with an enriching and fulfilling experience.

Welcome to the third edition of Antardrishti. This magazine showcases our unwavering commitment to academic excellence, holistic student development, and fostering a culture of innovation. Together, let us continue to build upon ITM University's legacy and create a brighter future for generations to come.

EDITOR MESSAGE

Dr. MANISH JAISAL

HOD, SOJMC

Reflecting on our time at ITM University, I am filled with pride and gratitude for the remarkable experiences we've shared. From thought-provoking lectures to exhilarating sports competitions, and from academic milestones to vibrant cultural celebrations, our journey has been truly inspiring.
The School of Journalism and Mass Communication has been a wellspring of knowledge and creativity. We have learned from esteemed faculty and industry leaders, such as Sparsh Srivastava, Raman Anand, and Atharva Patil, whose guest lectures and workshops have broadened our perspectives and motivated us toward excellence.

On the sports front, our athletes have showcased exceptional talent and teamwork, making us proud with their achievements. Their resilience and dedication have been a constant source of inspiration for all of us.

Beyond academics and sports, the university's cultural events have been a testament to the diversity and creativity of our community. From traditional folk dances to electrifying celebrity shows, these events have embraced a wide range of cultures, fostering inclusivity and enriching our campus life.

I am deeply grateful to our dedicated faculty, staff, and fellow students, whose passion and support have created an inspiring environment for growth and learning. As we move forward, equipped with the knowledge and confidence ITM University has instilled in us, I am excited for the future and the contributions we will make to our fields.

Thank you for being part of this incredible journey. Together, we have built lasting memories and a strong sense of community, and I am confident that we will continue to make ITM University a beacon of knowledge and innovation.

Editor in Chief- Dr. Manish Jaisal
Design Editor- Mr. Aman Chaprod
Sub Editor`s- Ms. Sonali Singh
Student Editor-Ms. Kanak Rohit

Index

1. आईटीम आमोत्सव - 8-9

2. स्मृति विशेष ... - 10-11

3. 78 वां स्वतंत्रता दिवस - 12

4. भारतीय ज्ञान परम्परा: वैश्विक प्रासंगिकता - 13

5. डॉ. एस. राधाकृष्णन मेमोरियल लेक्चर - 14

6. ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम - 15-18

7. Snapshots of Campus Life - 19

8. राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कार्यशाला - 20

9. राष्ट्रीय फ्लोरबॉल स्पर्धा - 21

10. कृषि में उपयोगी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस - 22

11. नेशनल स्पॉर्ट्स-डे - 23

12. स्तनपान सप्ताह - 24

13. विश्व फिजियोथेरैपी दिवस - 25

14. राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति' विषय पर व्याख्यान आयोजित - 26

15. 'जावा स्क्रिप्ट और रिएक्ट जेएस' पर कार्यशाला - 27

16. फेशन फिएस्टा-2024 - 28

Index

17. 'ओणम उत्सव'/बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण - 29

18. STUDENT'S CORNER - 30-32

19.लोक अदालत यात्रा - 33

20.'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन/इंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोगाम - 34

21.'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो - 35

22.'कांच के पात्रों का संचालन'/पोस्ट मेकिंग प्रतियोगिता - 36

23. Event`s@ITMU - 37-40

PAGES INSIDE

आमोवा की डरिया पर लागे रे टिकोरवा...

आईटीएम आमोत्सव

मिरा जज्बा-ए-शौक काम आ रहा है,
कि बाजार में देखूं आम आ रहा है।
गरीब-ओ अमीर उसके शैदाई यकसां,
पसंदीदा-ए-खास ओ आम आ रहा है।

आईटीएम यूनिवर्स ग्वालियर में हुई उपशास्त्रीय लोक संगीत में भीगी अमरस की बौछार

सावन के महीने में आईटीएम यूनिवर्स ग्वालियर का परिसर अमराई सा नजर आया। जहां हर पेड़ आम और प्रकृति अमरस बरसाती हुई प्रतीत हुई। लोक गायिका चंदन तिवारी द्वारा आम के रस में डूबी उपशास्त्रीय और भोजपुरी लोक संगीत की बौछारों से उपस्थित दर्शक और ग्वालियरवासियों के हृदय को तरबतर करती रहीं। मौका था आइटीएम यूनिवर्स ग्वालियर में आमोत्सव (आम पर केंद्रित बहुरंगी-बहुरस उत्सव) का। संस्थान के सिथौली कैंपस में विक्रम साराभाई ब्लॉक स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार और नीम वीथिका में आमोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथि आइटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, चांसलर रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, ख्यात कवि एवं कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन तूलिका शर्मा ने किया।

युवाओं को शास्त्रीय संगीत और भारतीय संस्कृति से हमे ही अवगत कराना होगा: चंदन तिवारी

आईटीएम यूनिवर्स ग्वालियर में शनिवार को 'आमोत्सव' (आम पर केंद्रित बहुरंगी-बहुरस) कार्यक्रम में शामिल होने आई देश की प्रसिद्ध लोकगायिका सुश्री चंदन तिवारी ने कहा कि वर्तमान में युवाओं का झुकाव पश्चिमी संस्कृति की ओर ज्यादा है। जबकि विदेशी लोग भारतीय संस्कृति अपना रहे हैं। भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय गीत संगीत और नृत्य जैसी धरोहरों से हमें अपने युवाओं को अवगत कराना होगा। तभी इन धरोहरों को सहेजा जा सकता है। उन्होंने तानसेन की नगरी ग्वालियर में आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पहली बार है जब मैं ग्वालियर आई हूं। आईटीएम यूनिवर्स में यहां के बच्चों, आमजन द्वारा मिला प्यार मैं कभी नहीं भूल पाउंगी।

आम हमारे सामाजिक जीवन का आधार रहा है

आमोत्सव में सोपान जोशी की प्रकाशित पुस्तक में जीफेरा इंडिका-ए बायोग्राफी ऑफ मेंगो पर सोपान जोशी, प्रोफेसर चारू चित्रा और प्रोफेसर सतीश कुमार ने परिचर्चा की। इस दौरान सोपान जोशी ने पुस्तक और आमों के बारे में बताते हुए कहा कि आम हमारे सामाजिक जीवन का आधार रहा है और वह अमराई रही है। उन्होंने बताया कि पुराने जमाने अमराई ऐसी हुआ करती थी जहां सूरज की रोशनी धरती पर नहीं आने चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जो यह आयोजन कॉन्फ्रेंस हॉल और परिसर में किया जा रहा है। पहले सामाजिक आयोजन आमराईयों के बीच हुआ करती थी।

दमकता जगमगाता अनोखा राम का सेहरा....

आमोत्सव में चंदन तिवारी ने दिवंगत राशिद खां को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ठुमरी की पेशकश की। जिसके बोल थे याद पिया की आये ये दुख सहा ना जाये...। इसके बाद उन्होंने बनारस की मशहूर चेती की प्रस्तुति दी। जिसके बोल थे कहवां में ढूंढू ये ही रामा... गठिया पर ढूंदू गुठरिया पर ढूंढू...। इसके बाद उन्होंने दादरा का गायन किया। जिसके बोल थे हमरी अटरिया पे आजा रे संवरिया, अजी बार-बार क्या मिलता है हमसे यूं रूठ जाने में... यूं ही उम्र कट जायेगी मनाने में...। इसके बाद उन्होंने झूला गाया, झूला धीरे से झुलाओ बनवारी संवरिया...। तत्पश्चात उन्होंने कजरी गायन की प्रस्तुति दी धनिया से पतरी मौरी धनिया...। उन्होंने रसूल मिया द्वारा लिखे राम का सेहरा का गायन किया। जिसके बोल थे दमकता जगमगाता अनोखा राम का सेहरा, जो देखवा है वो कहवा है रमेती राम का सेहरा...। वहीं लोकगायिका चंदन तिवारी ने महात्मा गांधी की कजरी प्रस्तुत की। इस कजरी के बोल थे सैया बुल की देवलिया, बल्मा देश का संकटवा सुधार दे बल्मा...। इसके साथ ही उन्होंने चरखा गीत गाते हुए हमरी चरवा का न टूटे तार, चरखा चालू रहे, गांधी वा पा पहले दुल्हावा। दुल्हिन बनी सरकार...। लोकगायिका चंदन तिवारी के साथ तबले पर राकेश हरिपुरी, ढोलक पर पवन कुमार, बेंजो पर दीनानाथ, हारमोनियम पर आदित्य, बांसुरी पर ओमकेश्वर चौबे और कोरस पर शिवांगी पाटिल ने संगत की।

प्रदर्शनी का हुआ आयोजन, सावन में झूलों का उठाया लुत्फ

आमोत्सव के तहत नीम वीथिका में प्रत्येक नीम का पेड आम सा नजर आया। जहां सावन के महीने में पेड़ों पर पड़े झूलों पर झूल कर अतिथियों, शहरवासियों, छात्र-छात्राओं ने आनंद उठाया। इसके साथ ही विभिन्न प्रजातियों के आमों से युवाओं को रूबरू कराने के लिए प्रदर्शनी के साथ ही आमों की स्टॉल भी लगाई गई। इसके अलावा श्री प्रयाग शुल्क द्वारा आम पर आधारित काव्य पाठ के अलावा विभित्र नुक्कड़ नाटक आम की सभा सहति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

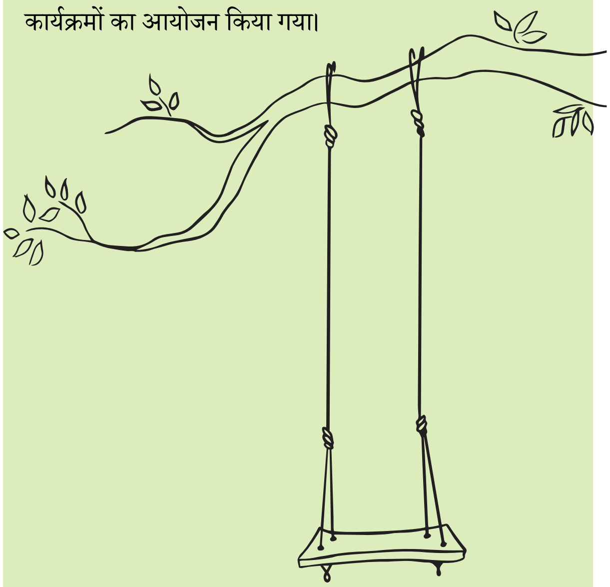

स्मृति विशेष ...

आईटीएम विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

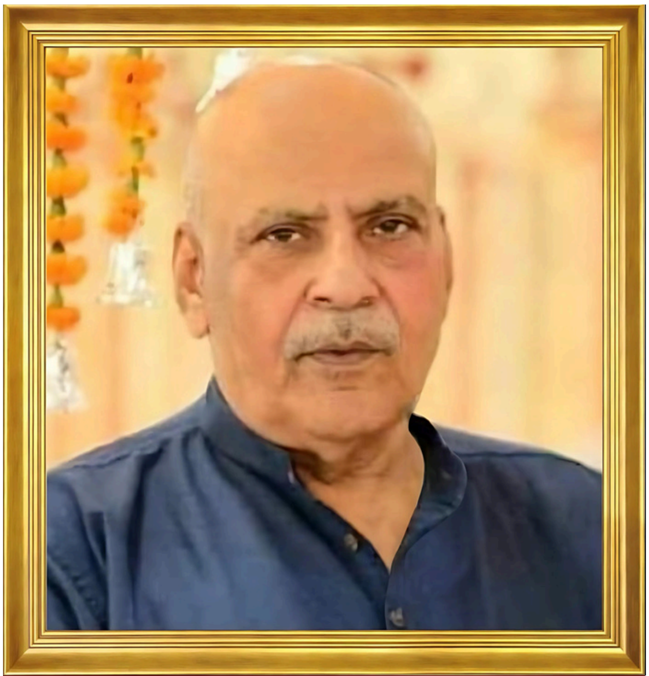

डॉ. अरविंद दुबे

29.05.1956 - 22.08.2024

डॉ. अरविंद दुबे प्रिय शिक्षक और अविचल पिता थे: श्री रमाशंकर सिंह:

ग्वालियर चंबल संभाग के प्रतिष्ठित नेत्रचिकित्सक डॉ. अरविंद दुबे की याद में उनके मित्रमंडल द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए श्री रमाशंकर सिंह जी ने कहा कि मेरे मित्र डॉ. अरविंद दुबे बहुत शक्तिशाली दमदार युवा थे। उनमें बहुत किस्म की तीव्रता थी दयालुता की दैवीय समझ थी, वे प्रिय शिक्षक और अविचल पिता थे। उनमें उग्र रूप से इंसानियत भरी हुई थी। उनका भाषा पर अतुलनीय अधिकार था। इसके साथ ही श्री रमाशंकर सिंह जी ने पाक कला, कला समीक्षक, मित्रों के प्रति समर्पित एवं गरीबों के मसीहा के रूप में दिवंगत डॉ. दुबे के साथ व्यतीत बहुत से संस्मरण सुनाते हुये उन्हें याद किया। प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सक डॉ. अरविंद दुबे की याद में उनके मित्रमंडल द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा के अंतर्गत भजनांजलि सभा का आयोजन हुआ। जहां दिल्ली के गायक कलाकार विवेक भोला ने (संगत कलाकार तबले पर खड़क सिंह, हारमोनियम पर चेतन निगम, तानपुरे पर शिवानी और रश्मि) डॉ दुबे की याद में भजनों की प्रस्तुति दी। भजनांजलि सभा के बाद आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा डॉ. अरविंद दुबे के वकृत्व कौशल पर तैयार किया वीडियो दिखाया गया।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ दुबे को भजनों से दी श्रद्धांजलि

चंबल संभाग के प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सक डॉ. अरविंद दुबे की याद में उनके मित्रमंडल ने भजनांजलि और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। आईटीएम ग्वालियर के सिथौली कैंपस स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित सभा में उनकी पत्नी डॉ. वेणु दुबे, पुत्री डॉ. मीरा दुबे, चिकित्सा शिक्षा अध्ययन कर रहे पुत्र सदानंद दुबे उनके परिजन और आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर श्री रमाशंकर सिंह जी, चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, शायर एवं कवि मदनमोहन दानिश, आमिर फारुकी मछली, अतुल अञ्जनबी, कवियत्री रश्मि सबा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश अचल, समाजसेवी संजय महिंद्रा, डॉ. एसएम तिवारी सहित डॉ. दुबे के परिवारीजन, ईष्ट मित्रगण, समाजसेवी, शिक्षक चिकित्सक, उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, आईटीएम ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, आईटीएम हॉस्पिटल ग्वालियर और आईटीएम ग्लोबल स्कूल ग्वालियर के अधिकारी एव कर्मचारीगण ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अक्सर मुझे अपने जीवन में घटित खट्टी-मीटी बातें शेयर किया करते थे: चांसलर श्रीमती रूचि सिंह:

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर रूचि सिंह ने संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि डॉ. अरविंद दुबे से पिछले सात-आठ सालों से फोन पर बहुत बातें हुआ करती थी, वो मुझे अपने जीवन में घटित खट्टी- मीठी बातें बताया करते थे। मैं उन्हें बहुत मिस करूंगी।

मेरे खुदा इतना तो मोतबर कर दे, मैं जिस मकान में रहता हूं उसको घर कर दे...: शायर अतुल अजनबी शायर अतुल अजनबी ने कहा कि डॉ. अरविंद दुबे शायर मिजाज थे। वह नेत्र परीक्षण करते करते मरीजों के दिल को पढ़ लेते थे। उन्होंने गजल सुनाते हुए कहा कि मेरे खुदा इतना तो मोतबर कर दे, मैं जिस मकान में रहता हूं उसको घर कर दे...। उन्होंने कहा कि डॉक्टर दुबे भी आदमी से इंसान होने वाली - शख्सियत थी।

इंसानियत के दोस्त थे: कवियत्री रश्मि सबा: कवियत्री रश्मि सबा ने डॉ. अरविंद दुबे के संस्मरण को याद करते हुए कहा कि वो इंसानियत के दोस्त थे। उन्होंने पंक्तियां व्यक्त करते हुए कहा कि चमक रहा है जो चांद बनके यहीं से उठकर गया है कोई, उनकी रोशनी उनकी चमक हमेशा हमारे दिलों पर अंकित रहेगी।

हम तो मस्त फकीर हमारा कौई नहीं ठिकाना रे.... मदनमोहन दानिश

प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सक डॉ. अरविंद दुबे की याद में उनके मित्रमंडल द्वारा आयोजित भजनांजलि सभा के बादर संस्मरण याद किये गये। इस अवसर पर शायर मदनमोहन दानिश ने डॉ. दुबे को याद करते हुए उनके साथ बिताये संस्मरणों को सुनाया।

उन्होंने कहा कि 'हमतो मस्त फक्कीर हमारा कोई नहीं ठिकाना रे, जैसा अपना आना प्यारे, वैसा अपना जाना रे, औरों का धन सोना-चांदी अपना तो धन प्यार रहा...'।

हमतो मस्त फ्कीर हमारा कोई नहीं ठिकाना रे, जैसा अपना आना प्यारे, वैसा अपना जाना रे, औरों का धन सोना चांदी अपना तो धन प्यार रहा..

तड़पता देखता हूं जब कोई शह ठहा लेता हूं अपना दिल समझके... शायर आमिर - फारुखी मछली

शायर आमिर फारुकी मछली ने रंग खुशबू वफा बिखेर गये, मुख्तसर उम्र थी गुलाबों की। पंक्तियां बोलते हुए कहा कि डॉ. दुबे साहब हमारे कुछ ऐसे ही थे। उन्होंने संस्मरण याद करते हुये कहा कि मुझे लखनउ से ग्वालियर आये हुये 11 साल हुये है। इन साल में 12 से 15 बार डॉ. दुबे से मुलाकात हुई। मुझे हेरत होती है कि इतनी कम मुलाकातों में कोई शख्स दिल के इतने करीब कैसे हो सकता है। उन्होंने पंक्ति पढ़ते हुए कहा कि 'ये मुझे चौन क्यों नहीं पड़ता एक ही शख्स था जहान में क्या..' उन्होंने कहा कि 'तड़पता देखता हूं जब कोई शह उठा लेता हूं अपना दिल समझ के, जगमगाती शख्सिय थी आपकी, निराली तरबियत थी आपकी..।'वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसएम तिवारी संस्मरण याद करते हुए कहा कि आज मैं इस सभागार में अपने छोटे भाई अरविंद दुबे जी हम सबै को छोड़कर अपनी आगे की यात्रा पर चले गये है। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि डॉ. दुबे बहुआयामी - व्यक्तित्व के धनी थे। उन पर मां सरस्वती की असीम कृपा थी। पठन-पाठन की कभी पूरी न होने वाली भूख थी उनकी। कुशल वक्ता, खेल के मैदान में कभी हार न स्वीकारना, परिवार में आदर सम्मान के उच्चकोटि के संस्कार थे उनमें। जरूरतमंदों की भरपूर मदद करने जैसे तमाम खूबियों के साथ वे हमारे दिल व दिमाग पर अमिट छाप छोड़ गये हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर इस दिव्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें। वरिष्ठ पत्रकार डॉ राकेश अचल ने कहा कि मुझे अभी तक ये नहीं लगता कि डॉ. अरविंद दुबे हमारे बीच से चले गये हैं, किसी न किसी रूप में वे हम लोगों के दिलों में मौजूद है।

रूह से रिश्ता कायम करना तो कोई डॉ. अरविंद दुबे से सीखे: समाजसेवी संजय महिंद्रा

समाजसेवी संजय महिंद्रा ने डॉ. अरविंद दुबे को याद करते हुये कहा कि उन्होंने प्यार में कभी व्यापार नहीं किया। रूह से रिश्ता कायम करना तो कोई डॉ. अरविंद दुबे से सीखे।

उनकी कमी कभी भुलाई नहीं जा सकती है। उनसे बेहतर धर्म कोई नहीं जान सकता था। वह कहते थे मानवता ही सच्चा धर्म है। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने 'आंसू जब सम्मानित होंगे, तब मुझ को याद किया जायेगा, जहां प्रेम की चर्चा होगी मेरा नाम लिया जायेगा' ने इस पंक्तियों के साथ डॉ. अरविंद दुबे के साथ बिताये पलों और संस्मरणों को सुनाया। उन्होंने कहा कि अंकल एक साल तक आईटीएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में आते थे लेकिन वह अंदर न आते हुए बाहर कैंटीन पर ही मुझे बलाते थे और हमेशा मरीजों के प्रति करूणा की बात किया करते थे। डॉ. अरविंद दुबे के पुत्र सदानंद दुबे अपने पिता के साथ बिताये पलों को याद किया और नम आंखों के साथ संस्मरण सुनाये। वहीं उनकी पुत्री डॉ. मीरा दुबे ने कहा कि पापा के पास हर चीज का जवाब था। पिछले कुछ दिनों से मैं ये सोच रही थी कि हम जब जन्म लेते है, इस धरती पर हमें कुछ पता नहीं होता है। पापा हमेशा अपनी शल्य चिकित्सा को अपनी कला मानते थे। पापा कहते थे कि जीवन का प्रवाह इतना प्रबल होता है कि कोई इसे रोक नही सकता है।

आईटीएम ने मनाया 78 वां स्वतंत्रता दिवस

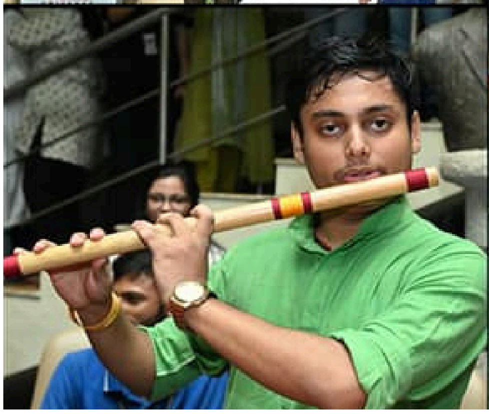

छात्रों ने बांसुरी से छेड़ा वंदेमातरम् राग, प्रस्तुतियों ने मोहा मन

आईटीएम यूनिवर्सिटी, आईटीएम ग्लोबल स्कूल और आईटीएम हॉस्पिटल ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया। इस अवसर पर नेशनल हैकाथॉन विजेता कनुप्रिया तिवारी, मोहित, अमन कुमार ॥, अभिषेक गुप्ता और अनुराग राज बतौर अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, प्रो-वाइस चांसलर डॉ एसके नारायण खेडकर, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, रंजीत सिंह तोमर मौजूद रहे

एनसीसी की दोनों यूनिट नेवल और आर्मी कैडेट्स ने तिरंगे को सलामी दी। छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। श्रेयश कुलकर्णी ने देशभक्ति में डूबते हुए अपनी फ्लूट से वंदेमातरम् राग छेड़कर सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्य अतिथि अमन कुमार ॥ ने कहा, अब हमारी टीम सितंबर-2024 में फिनिशिया में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल हैकाथॉन आईट्रिपलई ग्रांड फिनाले में हिस्सा लेगी। हम गोल्ड मेडल हासिल करने के लिए बेहतर स्किल का प्रदर्शन करते हुए पूरी ताकत लगा देंगे।

उन्होंने कहा, आप सभी में भी कोई न कोई टेलेंट हिडन है। इस हिडन टेलेंट को पहचानना होगा और अपनी कामयाबी का सबसे बड़ा स्रोत समाना होगा। हालांकि अपने टेलेंट को पहचानने में कठिनाइयां बहुत आती है, लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति से हम उन कठिनाइयों पर भी विजय आसानी से पा सकते हैं।

"आईटीएम यूनिवर्सिटी में 'भारतीय ज्ञान परम्परा: वैश्विक प्रासंगिकता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन"

हमे भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना होगा

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और विज्ञान भारती के सहयोग से 'भारतीय ज्ञान परम्पराः वैश्विक प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान के तुरारी कैंपस स्थित लियोनार्दो द विंची ब्लॉक में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर अतिथि प्रवीण रामदास (राष्ट्रीय संगठन सचिव विज्ञान भारती नई दिल्ली), प्रोफेसर अरविन्द कुमार शुक्ला (कुलगुरु, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय-ग्वालियर), प्रोफेसर अविनाश तिवारी (कुलगुरु,जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर), डॉ. राजेश कुमार व्यास (राजस्थान के राज्यपाल के अतिरिक्त निदेशक), डॉ. घण्टी एस. मूर्धि (राष्ट्रीय संयोजक भारतीय ज्ञान परम्परा विभाग, एआईसीटीई नई दिल्ली). डॉ. कमलकान्त द्विवेदी, पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी (पूर्व निदेशक,आदिवासी लोक कला अकादमी भोपाल एवं समाजसेवी), उदयन लेखक), डॉ. आलोक शर्मा (निदेशक भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान ग्वालियर), प्रो.एन.रविचन्दन (पूर्व निदेशक आईआईएम इंदौर), विवस्वान हैवलकर (विज्ञान भारती मध्य भारत भोपाल) शामिल हुए। वहीं इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रोफेसर योगेश उपाध्याय (वाइस चांसलर, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर) ने की। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर श्री रमाशंकर सिंह जी, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डीएसडब्ल्यू तृप्ति पाठकसहित विभिन्न विभागों के डीन अध्यक्ष प्रोफेसर. एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, देशभर से आए वक्ता और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में अतिथि प्रवीण रामदास (राष्ट्रीय संगठन सचिव विज्ञान भारती नई दिल्ली) ने कहा कि जब हम अपनी परम्पराओं पर गौर करेंगे तब हमें आभाष होगा कि हम तो हमेशा से ही जीनियस रहे हैं। तब हमें यह भी पता चलेगा कि विज्ञान हमारे देश का है।

संगोष्ठी में प्रोफेसर अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि भारतीय ज्ञान यह कहता है कि हम सब आदिशक्ति की संतान हैं। यानी माता ही श्रेष्ठ है। एक मां जो जन्म देती है. दूसरी पृथ्वी माता जो हमें पोषण देती है, तीसरी गौमाता है. जो हमे दूध प्रदान करती है।

संगोष्ठी में प्रोफेसर अविनाश तिवारी ने कहा कि आज न्यूट्रासिकल्स की बात होती है, लेकिन क्या हमें पता है कि यह तो हमारी भारतीय परम्परा में पहले से ही मौजूद है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि ज्ञान की अनुभूति होना भारतीय ज्ञान की अवधारणा है। परम्परा हमारे पास है, लेकिन यह हर राष्ट्र के पास नहीं हो सकती है। अपनी ताकत को पहचानिये।

संगोष्ठी के चतुर्थ सत्र में • भारतीय समाज शास्त्रीय विमर्श पर चर्चा हुई। जहां विषय वक्ता के रूप में प्रोफेसर एन. रविचन्द्रन (पूर्व निदेशक आईआईएम इंदौर) ने की। प्रोफेसर एन. रविचन्द्रन ने भारतीय जीवन के चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को बताया। उन्होंने चार वर्ण के माध्यम से भारतीय समाज के सोशल मैनेजमेंट की संकल्पनाओं को स्टूडेंट्स के सामने रखा।

वही इस सत्र की अध्यक्षता आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाईस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने की। कार्यक्रम के अंत मे इन सभी सत्रों के दौरान स्टूडेंट्स ने वक्ताओं से विषय संबंधित सवाल- जवाब भी किए। प्रो. चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने दिनभर आयोजित हुए सभी सत्रों की समीक्षा की। भारत से पधारे सभी वक्ताओं एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन भी डॉ. दौलत सिंह चौहान ने किया।

अगर हमें वैभवशाली भारत चाहिए तो हमें अपनी भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना होगा: प्रवीण रामदास

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में 'भारतीय ज्ञान परम्पराः वैश्विक प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में अतिथि प्रवीण रामदास (राष्ट्रीय संगठन सचिव विज्ञान भारती नई दिल्ली) ने कहा कि आज हम भारतीय ज्ञान परम्परा के बारे में चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कि अगर हमें वैभवशाली भारत चाहिए तो हमें अपनी भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि - मानसिक गुलामी के चलते हम अपनी परम्परा को समझ ही नहीं पा रहे हैं, जब हम अपनी परम्पराओं पर गौर करेंगे तब हमें आभाष होगा कि हम तो हमेशा से ही जीनियस रहे हैं। तब हमें यह भी पता चलेगा कि विज्ञान हमारे देश का है। लेकिन इसके लिए हमें भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना पड़ेगा, भारतीय दर्शन को समझना पड़ेगा। इसके साथ ही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से करने के लिए आईटीएम यूनिवर्सिटी प्रबंधन का अभिनंदन किया।

हमारी भाषा ही हमको ह्यूमन बनाती है: चांसलर श्रीमती रुचि सिंह

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में शिक्षक दिवस पर डॉ. एस. राधाकृष्णन मेमोरियल लेक्चर और सम्मान समारोह

TEACHER's DAY

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. एस राधाकृष्णन मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, आईटीएम ग्वालियर और आईटीएम ग्लोबल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान यूनिवर्सिटी के तुरारी कैंपस स्थित लियोनार्दो द विंची ब्लॉक के उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां विभिन्न कैटेगरीज के अंतर्गत सालभर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को सम्मानित कर अवार्ड भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चांसलर श्रीमती रूचि सिंह शामिल हुई। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ ओमवीर सिंह, आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मजूमदार, आईटीएम ग्लोबल स्कूल के

प्रिंसीपल डॉ. सुजॉश भट्टाचार्य सहित आईटीएम यूनिवर्स के डीन,विभाग प्रमुख, प्रोफेसर,एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षक व एडमिनिस्ट्रेशन स्टाफमौजूद रहा। बतौर मुख्य वक्ता आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रूचि सिंह ने कहा कि सिस्टम में तेजी से बदलाव आ रहा है। यह बदलाव हमें और आप सभी को भविष्य में नजर आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अब किताबी टेक्सट शिक्षकों को पढ़ाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इस किताबी नालेज को प्रदान करने के लिये शिक्षकों का स्थान एआई टेक्नोलॉजी और रॉबोटिकल प्रणाली ले लेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अब नेक्ट्स लेबल पर शिक्षा प्रदान करने की जरूरत है। हमें अब सभी बच्चों को एक ही तरह परखने की जरूरत नहीं है। जरूरत है तो प्रत्येक बच्चे और स्टूडेंट्स के अंदर छिपी प्रतिभा को परखकर उसे निखारने की। क्योंकि प्रत्येक स्टूडेंट्स और व्यक्ति में अलग-अलग हुनर छिपा हुआ होता है। उन्होंने कहा कि हमारी भाषा ही हमको ह्यूमन बनाती है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों में बदलाव देखना है तो सबसे पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। इसके साथ ही उन्होंने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस अवसर पर आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर मीनाक्षी मजूमदार औरआईटीएम ग्लोबल स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. सुजाश भट्टाचार्य ने भी सभी को संबोधित किया और शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रदान कीं।

शिक्षा सत्य की खोज है: प्रो-चासलर डॉ. दौलत सिंह चौहान

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि प्रतिदिन ही शिक्षक दिवस मनाना चाहिये। उन्होंने कहा कि टीचर की खूबी यह होती है कि वो जो देखता है, जो पढ़ता है, जो महसूस करता है, उसका सही ढंग से आकलन करके लोगों तक पहुंचाने वाला ही शिक्षक होता है। लेकिन ये बहुत ही बिलुप्त होने वाली कला है। उन्होंने दार्शनिक जिद्दुकृष्ण और शिक्षाविद डॉ. एस. राधाकृष्णन का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा सत्य की खोज है और यह खोज तभी सभव है जब आप सस्थागत ढाचे से बाहर आकर स्वतंत्र रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे संस्थापक ने ऐसी सस्था की परिकल्पना की है कि जहां समय का कोई बंधन नहीं हो, स्ट्रक्कर की कोई बाध्यता नहीं हो।

ज्ञान का जो दर्शन करा दे वो गुरु है: वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ज्ञान का संदर्श हमेशा अपने अंदर के रियलाइजेशन से होता है। उन्होंने श्रीमद भगवद गीता के स्लोंगों को बोलते हुए कहा कि ज्ञान का जो दर्शन करा दे वो गुरू है और ज्ञान अपने अंदर का रियलाइजेशन होता है। उन्होंने कहा कि आज हम मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, बीटैक, एमटैक आदि कोर्सेस पढ़ते हैं। भले ही ये कोर्सेस अलग-अलग हैं, लेकिन रास्ता सिर्फ एक ही है ज्ञान को प्रदान करना। वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने गालिब का शेर पढ़ते हुए कहा कि 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश में दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान फिर भी कम निकले..' उन्होंने कहा कि ज्ञान का आउटकम क्या है, प्रज्ञावान होना। उन्होंने कहा कि विद्यालय और विश्वविद्यालय ज्ञान प्रदान करने की एक प्रोसेस मात्र है।

विभिन्न कैटेगरीज में किया सम्मान

शिक्षक दिवस के मौके पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, आईटीएम ग्वालियर, और आईटीएम ग्लोबल स्कूल में टीचर्स, सपोर्टिंग स्टॉफव एडमिन स्टॉफको सम्मानित किया गया। इसमें सभी सम्मानित किए सदस्यों को सर्टिफिकेट और विशेष आईकार्ड भी प्रदान किये गये। इसके अतंर्गत आईटीएम युनिवर्सिटी में कुल 58, आईटीएम ग्वालियर में कुल - 22 तथा आईटीएम ग्लोबल स्कूल में कुल 15 अवार्ड दिये गये

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा नव प्रवेशित स्टूडेंट्स के लिये ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम आयोजित किया गया।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा नव प्रवेशित स्टूडेंट्स के लिये दो दिवसीय ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम आयोजित किया गया।

इस प्रोग्राम मुख्य अतिथि के रूप में अविनाश मिश्रा (नेशनल प्रेसिडेंट क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफइंडिया) शामिल हुए। वहीं अतिथियों में अक्षय घाटगे (जेनपैक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), हिम्मत आनंद (सीईओ ट्री ऑफलाइफरिजॉर्ट्स एंड होटल दिल्ली), डॉ. प्रेरणा मिश्रा (सीईओ जुपिटर हेल्थकेयर), प्रोफेसर रविचंद्रन अहमदाबाद) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर केशव कंसाना, मुख्य कार्यक्रम समन्वयक डॉ. गौरा चौहान, वर्तिका सिंह, सौर्य गुप्ता, डॉ. आदित्य रंजन, डॉ. लौतिका सुराना, डॉ. वंदना भारती, डॉ. सुसी लाडू, डॉ. इंतिकाब खान, सचि गुप्ता, डॉ. रामबाबू श्रीधर, प्रदीप सिंह तोमर, नितेश दुबे, शालिनी जैन, रक्षा शर्मा, अभिषेक श्रीवास्तव सहित विभिन्न प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर के अलावा नव प्रवेशित स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए अविनाश मिश्रा (नेशनल प्रेसिडेंट क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफइंडिया) नव प्रवेशित स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि यदि आप दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करते हैं तो भले ही आप जमीनी स्तर के व्यक्ति क्यों न हों आपको अपने क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल हो सकती है।

बतौर अतिथि शामिल हुए अक्षय घाटगे (जेनपैक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) ने स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि हमे जीवन में आने वाली चुनौतियों और बदलावों के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये। हिम्मत आनंद (सीईओ ट्री ऑफ लाइफ रिजॉर्ट्स एंड होटल दिल्ली) कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में हर व्यक्ति हुनर के दम पर सफलता हासिल कर सकता है। इसके लिये आत्मविश्वास होना बहुत जरूरी है। एलुमिनाईडॉ. प्रेरणा मिश्रा (सीईओ जुपिटर हेल्थकेयर) ने कहा कि आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर जहां से मैंने अपने जीवन की शिक्षा हासिल की वहां आज अतिथि के रूप में शामिल होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

शिक्षा ही आपको संस्कारित और एक अच्छा इंसान बनाती है: प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान

प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने नव प्रवेशित स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि शिक्षा का मतलब शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ होना है। स्वामी विवेकानंद और बुद्ध जैसी महान विभूतियों का उदाहरण देकर उन्होंने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ होने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भावनात्मक फिटनेस इस बात पर निर्भर करती है जब कोई व्यक्ति प्रतिक्रिया देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही आपको सस्कारित और एक अच्छा इंसान बनाती है

मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ अध्ययन कर सफलता पाने के लिये कदम बढ़ायें: वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के ओरियंटेशन प्रोग्राम में नव प्रवेशित छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को जीवन की अगली कक्षा में कदम बढ़ाने और वर्तमान कॉर्पोरेट परिदृश्य में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को समझने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, प्रबंधन के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्ता बताते हुए मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अध्ययन कर करियर में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

ट्रिप टू लद्दाख के कलाकर स्पर्श श्रीवास्तव ने स्टूडेंट्स ने किया संवाद

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित दो दिवसीय ओरियंटेशन प्रोग्राम के तहत इंटरएक्टिव सत्र का भी आयोजन किया गया। जहां ट्रिप टू लद्दाख के कलाकार, निर्देशक और निर्माता ने अपनी उपस्थिति में संस्थान के एक छोटा सा शूट किया। इसके साथ ही स्पर्श श्रीवास्तव स्टूडेंट्स को संबोधित किया और उनके साथ अपने अनुभव शेयर करते हुए संवाद किया।

ORIENTATION

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफइंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा नव प्रवेशित स्टूडेंट्स के लिये दो दिवसीय ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के रूप में यशपाल सिंह परिहार (हैड टीए आरडब्ल्यूएस सिस्टम्स इंदौर), नागेंद्र सिंह सिकरवार (सीएसपी ग्वालियर), आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर एसकेनारयण खेड़कर, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के डीन डॉ. डॉ. मुकेश पांडेय, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग की एचओडी डॉ. पल्लवी खत्री, डीन एकेडमिक्स डॉ. रंजीत सिंह तोमर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की एचओडी डॉ. संपूर्णा पांडा, डॉ. गीतांजलि सुरंगे, केशव सिंह कंसाना, डॉ. वाणी अग्रवाल, डॉ. निधि दंडोतिया, डॉ. सोनिया जौहरी, डॉ. शिवओम सिंह, अमनदीप कौर, अर्पित सिंह चौहान, डॉ. सुधारानी बी., तृप्ति पाठक, अभिषेक त्रिपाठी आदि विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और

नव प्रवेशित स्टूडेंट्स शामिल हुये। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के अंतर्गत बीटैक, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियर, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए एवं एमसीए) के नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अभी तो नापी है बस मुट्ठी भर जमीन, अभी तो सारा आसमान बाकी है....

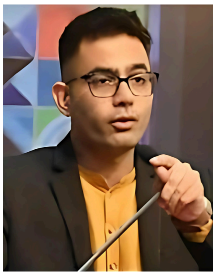

यशपाल सिंह परिहार

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम में मुख्य अतिथि यशपाल सिंह परिहार (हैड टीए आरडब्ल्यूएस सिस्टम्स इंदौर) ने कहा कि वर्तमान समय स्किल और नॉलेज का है। कॉर्पोरेट जगत में चार स्किल पर बहुत ध्यान दिया जाता है। जिसके तहत कम्युनिकेशन स्किल, प्रजेंटेशन स्किल, एटीट्यूट लर्न और सेल्फ मोटीवेशन। इन स्किल के बिना कॉर्पोरेट जगत में सफल नहीं हो सकते हैं। आपको सफलता पाने के लिए इन चड्डों गुणों को विकसित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि पहले इंडस्ट्रियल युग था, इसके बाद इंर्पोमेंटिव युग आया और आज सोशल मीडिया का जमाना है। उन्होंने कहा कि आप चाहे जितना आगे बढ़ जायें परंतु अपने माता-पिता और गुरुओं से हमेशा जुड़े रहना और उनका सम्मान करते रहना। उन्होंने पंक्तियों के माध्यम से नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि जीवन में असली उड़ान अभी बाकी है, हमारे इरादों का इम्तिहान अभी बाकी है, अभी तो नापी है बस मुट्ठी भर जमीन, अभी तो सारा आसमान बाकी है।

हम ज्ञान, स्किल और विजिडम को प्राथमिकता देते हैं:

प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि भविष्य में आप बड़ी-बड़ी कंपनियों में बड़े-बड़े पैकेज पर नौकरियां कर रहे होंगे। या फिर स्वयं की कंपनियां संचालित कर रहे होंगे। लेकिन आप अच्छे इंसान नहीं बन पाये तो ये सब कुछ बेकार ही है। उन्होंने कहा कि विजिडम के बिना ह्यूमन एक रोबोट की तरह ही हैं। हमें रोबोट पैदा नहीं करना, हमको एक अच्छा - इंसान बनाना है, तभी हमें संतुष्टि होगी।

आप मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने व्यक्तित्व का निर्माण करें:

नागेंद्र सिंह सिकरवार (सीएसपी)

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम में ग्वालियर के सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि आज मुझे बहुत खुशी हो रही है कि जिस संस्थान में मैंने अध्ययन किया आज में उसी संस्थान में आप सभी के बीच प्रोत्साहन के लिए खड़ा हूं। उन्होंने नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि आप सभी को अभी से अपना गोल सेट करना चाहिये और उसी पर फोकस रखते हुए आगे बढ़ना चाहिये। उन्होंने कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने व्यक्तित्व का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को कभी नहीं भूले और संस्था से जुड़े रहना अपना सौभाग्य समझें।

ORIENTATION

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ साइंसेस, स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ फॉर्मेसी, स्कूल ऑफफेसन डिजाईन, स्कूल ऑफ एजुकेशन और पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम द्वारा नव प्रवेशित स्टूडेंट्स के लिये तीन दिवसीय ओरियंटेशन-2024-25 प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के रूप में एसी पांडेय (ज्वाइंट डायरेक्टर डीआरडीई ग्वालियर) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डीन अकेडमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डीन डॉ. सोनिया जौहरी, स्कूल ऑफलों की डीन प्रोफेसर शोभा भारद्वाज, स्कूल ऑफसाइंसेस के डीन डॉ. योगेश गोस्वामी, डीन फार्मेसी डॉ. ऋऋत्वा कोठारी, पत्रिकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनीष जैसल,डॉ. रूपाली रस्तोगी, डॉ. इंदू मजूमदार, वानी अग्रवाल, डॉ. रंजना गोस्वामी, वर्षा चौहान, डॉ.शिवओम सिंह, अमदीप कौर, अर्पित सिंह चौहान, डॉ. सुधारानी डॉ. गीतांजलि सुरंगे, केशव सिंह कंसाना, डॉ. रीता शर्मा, डॉ. साधना चतुर्वेदी, डॉ. आलोक, डॉ. रंजना, डॉ. रेखा वशिष्ठ, डॉ. सुबोध, श्रीमती तृप्सी पाठक, शिवम तायल, किमी ह्यूना मिंज सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेर और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए साइंटिस्ट एसी पांडेय (ज्वाइंट डायरेक्टर डीआरडीई ग्वालियर) ने कहा कि आज हम आत्मनिभर भारत की बात करते हैं तो उसके लिए जरूरी है प्रथम वातावरण में बदलाव, दूसरा टीचर्स और मित्र से मिलने का मौका और तीसरा क्या, कैसे, क्यों पढ़ना और आगे बढ़ना।

प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर का उद्देश्य समाज और देश के लिए अच्छे इंसान को तैयार करना है। अच्छा इंसान वही होता है जो किताबी ज्ञान के साथ-साथ संस्कारित हो, जिसमें व्यवहारिक सामाजिक समझ हो।

वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि आप अपनाचालक स्वयं बनिए। आपमें प्रोबलम साल्विंग एबिलिटी, लर्निंग लीडर शिप और टीम वर्क जैसे गुण होने चाहिए। विधि संकाय की डीन प्रोफेसर शोभा भारद्वाज ने स्टूडेंट्स से कहा कि आपको कॉलेज स्तर पर पहुंचे पर बहुत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि यहां आप अपने विचारों को बुनों, सपनों को बुनों और उन्हें सकार करने का प्रयास करो।

आईटीएम स्कूल ऑफ साइंसेस के डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी ने कहा कि किताबें हमें सभी प्रकार का ज्ञान प्रदान नहीं कर सकती हैं, उसके लिए हमें बाहर निकलना पड़ेगा। घटनाओं को देखना होगा। तब हमें पता चलेगा कि जीवन क्या है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो कि व्यक्ति का

व्यवहार दर्शाती हैं उन्होंने साइंस - की जानकारी देते हुए विभिन्न कोर्सेस के बारे में अवगत कराया। ओरियंटेशन में वक्ता डॉ. मनीष जैसवाल ने प्रारंभ से पूर्ण तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। वहीं डीन ऑड एजुकेशन विरेन्द्र जैन ने शिक्षा की तहत्ता पर प्रकाश डाला। इसीक्रम में वानी अग्रवाल ने एबीसीए एवं पीबीएल से संबंधित जानकारी स्टूडेंट्स के साथ साझा की। वहीं रंजना गोस्वामी ने स्वयं एवं नैपटल जैसे कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की। वहीं सोनिया जौहरी ने व्यवहार की तहत्वता पर जानकारी दी। इसी तरी डीएसडब्ल्यू तृप्ती पाठक ने विभिन्न स्कॉलरशिप के बारे में स्टूडेंट्स को जागरूक किया। वहीं वर्षा चौहान ने एग्जाम के बारे में विस्तार से बताया। अर्पित चौहान (आईडियापैड) ने कहा कि हमें नौकरी लेना नहीं देना चाहिये। हमें अपने आइडिया को क्रियान्वित कर उस मुकाम तक पहुंचना है, जिससे हम लोगों को रोजगदार - प्रदान कर सकें।

ओरियंटेशन प्रोग्राम में प्रोफेसर इंदू मजूमदार ने कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन की संपदा है। 'हेल्थ इज वेल्थ' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में तनाव, जीवन के बदलते तरीके, व्यायाम की कमी, गलत आदतों से स्वास्थ्य को खतरा होता है। डीन अकेडमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर ने कहा कि उन्नति पाने का एक मात्र साधन है हमें नियमित रूप से शिक्षा का आदान-प्रदान करना और स्वयं को हमेशा तत्पर रखना। उन्होंने कहा कि हमें हर विषय एवं वस्तु को बहुत ही बारीकी से समझना चाहिए, श्यान से सुनना चाहि और प्रश्न करने चाहिए। क्योंकि प्रश्नोत्तरी से हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी होती है।

ORIENTATION

मनुष्य का अंतिम लक्ष्य है शांति इसे सही समझ से पा सकते हैं

आईटीएम महाविद्यालय ग्वालियर में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के दिशा- निर्देशन में बीटेक, एमबीए, एमसीए के नवागंतुक छात्र-छात्राओं के लिए 21 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। संस्थान के विक्रम साराभाई सभागार में आयोजित इस प्रोग्राम में अतिथि और विषय विशेष के रूप में अर्जिता द्विवेदी (यूएमवी मेल सेंट्रल रीजन), भगवान सिंह परमार (यूएसबी मेल सेंट्रल रीजन), डॉ. अभय वानखेड़े (स्टेट कोऑर्डिनेटर स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम आल इंडिया ऑफ टेक्निकल एजुकेशन), कौशल किशोर बिटोलिया (पूर्व एयर फॉर्स ऑफिसर एवं ह्यूमन वैल्यू विशेषज्ञ) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मजूमदार सहित विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विशेषज्ञ अर्जिता द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उसे समाज की भलाई क - लिए उपयोग करना है। जब आप ईमानदारी, सहिष्णुता और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ते हैं तो आप न केवल एक अच्छे विद्यार्थी बनेंगे बल्कि एक बेहतर इंसान बनने की ओर अग्रसर होते हैं। नवागंतुक छात्र कृष्णा ने कहा, यह प्रोग्राम हमारे लिए वहुत प्रेरणादायक है। हमें यह समझ आया कि समाज के प्रति हमारी भी कुछ जिम्मेदारियां हैं

तकनीकी शिक्षा के साथ ही मानवीय मूल्यों, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारियों से रुबरु कराना ही इंडक्शन प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य है:

निदेशक डॉ. मीनाक्षी मजूमदार इंडक्शन प्रोग्राम में आईटीएम ग्वालियर की निदेशक डॉ. मीनाक्षी मजूमदार ने कहा कि इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, नैतिकता, समाजिक जिम्मेदारियों से रूबरू करना है। इसके साथ ही नए छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के माहौल से परिचित कराकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना और उन्हें नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत के लिए तैयार करना है। इसमें छात्रों को अकादमिक गतिविधियों के अलावा, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य सह-पाठयक्रम गतिविधियों में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा, जिससे वे नए परिवेश में समायोजित हो सकें और सामूहिक रूप से विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि यह इंडक्शन प्रोग्राम न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से बल्कि नैतिक और सामाजिक विकास के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा.

सही समझ को विकसित करना बहुत जरूरी है: परमार

भगवान सिंह परमार ने कहा कि समाज में सभी व्यक्ति मानव संसाधों में रहना चाहते हैं। यही सभी की चाहना है, लेकिन व्यक्ति सही समझ न होते हुए संबंधों का सही निर्वाहन नहीं कर पा रहा है। इसलिए सही समझ को विकसित करनाबहुत जरूरी है।

सही समझ और सुविधाओं का संतुलन स्थायी खुशी की ओर ले जाता है: डॉ. अभय वानखेड़े-

डॉ. अभय वानखेड़े ने कहा कि मनुष्य का अंतिम लक्ष्य सुख की प्राप्ति है, सही समझ से मनुष्य अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पहचानता है और यह भी समझता है कि किस प्रकार से वह आवश्यकताएं सुविधाओं से पूरी की जा सकती हैं। यह संतुलन उसे वास्तविक और स्थायी खुशी की ओर ले जाता

आंतरिक खुशी के अभाव में भौतिक संसाधनों की कोई उपयोगिता नहीं: कौशल किशोर बिटोलिया

विशेषज्ञ कौशल किशोर बिटोलिया ने कहा कि आंतरिक खुशी के अभाव में भौतिक संसाधनों की कोई उपयोगिता नहीं। उन्होंने कहा कि सुविधा संपन्न दरिद्र की स्थिति उन लोगों को दर्शाती है जिनके पास भौतिक सुविधाएँ तो भरपूर हैं, लेकिन सही समझ और आंतरिक खुशी का अभाव है। ऐसे व्यक्ति के पास भौतिक सुख-सुविधाएं होते हुए भी वह सच्चे सुख और शांति को अनुभव नहीं कर पाता है।

Snapshots of ITM Sculpture

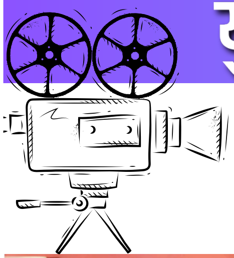

युवाओ के साथ 'ट्रिप टू लद्दाख' के द्रश्य शूट किए

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में सात दिवसीय राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कार्यशाला आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग और आईटीएम परफॉर्मिंग आर्ट क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ग्वालियर संभाग के युवाओं और छात्रों के लिए सात दिवसीय फिल्म निर्माण कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यशाला उन छात्रों और युवाओं के लिए एक अनूठा अवसर थी, जो फिल्म निर्माण, अभिनय और निर्देशन में रुचि रखते हैं। इस आयोजन में न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर के फिल्मी दिग्गजों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली और प्रेरणादायक बना दिया।

मुंबई से आए अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव, डिम्पी मिश्रा, अभिनेत्री निधि दीवान, फिल्म निर्देशक रमन आनंद, फिल्म निर्माता आशुतोष खिर्वार, कास्टिंग डायरेक्टर निशांत शर्मा, डीओपी अथर्व पाटिल और सहायक डीओपी समीरन घोष ने अपने अनुभवों और ज्ञान को छात्रों के साथ साझा किया। इन विशेषज्ञों ने छात्रों को फिल्म निर्माण की बारीकियों, अभिनय के तकनीकी पहलुओं, निर्देशन के रचनात्मक दृष्टिकोण और इंडस्ट्री में कास्टिंग के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की। यह छात्रों के लिए एक ऐसा मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने फिल्म निर्माण के विभिन्न आयामों को न केवल सैद्धांतिक रूप से सीखा, बल्कि प्रैक्टिकल अनुभव भी हासिल किया।

इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह और जनसंचार एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष जैसल ने युवाओं को प्रोत्साहित किया और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला, जो छात्रों को उद्योग से सीधे जोड़ते हैं। साथ ही, कार्यशाला में सोनाली सिंह, डॉ. निधि भंडारी, अंकित कात्यायन, सोनाली राय, अभिषेक कुशवाह, अमन चपड़ोद, शैलेश मिश्रा और आईटीएम परफॉर्मिंग आर्ट क्लब के संजय जादौन मोजूद रहे।

यह कार्यशाला न केवल छात्रों के लिए ज्ञान का खजाना साबित हुई, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों तक ले गई। छात्रों ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए फिल्म निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं, तकनीकों और नई दृष्टियों को आत्मसात किया, जो भविष्य में उनके लिए महत्वपूर्ण साबित होंगी।

आप कहीं से भी फ़िल्मों में अभिनय के लिए रास्ते अब खोज सकते हैं: अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित फिल्म निर्माण कार्याशाला में बतौर अतिथि शामिल हुए अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव ने युवाओं को संबोधित करते हुये कहा कि मेहनत और लगन से कार्य कर सक्सेस पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सीरियल हो या मूवी दोनों ही क्षेत्रों में एक्टिंग आना बहुत जरूरी होता है। लेकिन आप यह सोच रहे होंगे कि एक्टिंग सीखने के लिये तो मुंबई जाना पड़ेगा तो यह आपकी गलतफहमी है। अभिनेता श्रीवास्तव ने युवाओं से कहा कि एक्टिंग सीखने के लिये आपको मुंबई आने की जरूरत नहीं है। आप कहीं से भी किसी भी संस्थान से फिल्मों में अभिनय के लिए अब रास्ते खोज सकते हैं।

फिल्म निर्माण स्टूडेंट्स के लिए अच्छा भविष्य

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित फिल्म निर्माण कार्याशाला में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह ने कहा कि अभिनय और फिल्म निर्माण जैसी कठिन विद्या को सीखना युवाओं और स्टूडेंट्स के लिए भविष्य के रास्ते खोलने जैसा है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर जैसे शहर में फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखना अपने आप में अहम है।

खुद पर भरोसा रखें मंज़िल ज़रूर मिलेंगी

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित फिल्म निर्माण कार्याशाला में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि हम मुंबई और दिल्ली में बन रही फ़िल्मों के पीछे ना भागें, छोटे शहरों में भी अच्छा टैलेंट हैं। आप खुद पर भरोसा रखें मंज़िल ज़रूर मिलेंगी

राष्ट्रीय फ्लोरबॉल स्पर्धा में

आईटीएम के खिलाड़ियों ने दिलाया सिलवर मेडल

8वीं राष्ट्रीय फ्लोरबॉल स्पर्धा में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के खिलाडियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश फ्लोरबॉल (पुरुष) टीम को सिल्वर मेडल दिलाने में सफलता हासिल की है। मप्र फ्लोरबॉल टीम और टीम में शामिल आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के खिलाड़ियों को इस सफलता के लिए आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्राफसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, संस्थान के फिजिकल एजुकेशन के एचओडी डॉ. विपिन तिवारी ने शुभकामनाएं दी.दरअसल, हरियाणा फ्लोरबॉल संघ एवं भारतीय फ्लोरबॉल महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में हरियाणा के रोहतक में 20 से 22 जुलाई तक 18वीं राष्ट्रीय फ्लोरबॉल स्पर्धा (महिला एवं पुरुष) का आयोजन किया गया था। जिसमें मध्यप्रदेश सहित देशभर से महिला एवं पुरुष वर्ग की 19 टीमों ने हिस्सा लिया।

ट्रॉफी उठाते हुए खिलाड़ी

मप्र फ्लोरबॉल टीम पुरुष टीम का पहले मुकाबला पुदुच्चेरी टीम के साथ हुआ। जहां 12-0 के स्कोर के साथ मप्र पुरुष टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह दूसरा पूल मैच मप्र और दमन एंड दीव के बीच हुआ। जिसमें मप्र पुरुष टीम ने 6-0 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। इसके बाद चंडीगढ़ से हुए मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल की। फिर आंध्रप्रदेश से हुए मुकाबले में 6-0 स्कोर के साथ जीत हासिल कर मप्र फ्लोरबॉल पुरुष टीम ने जीत हासिल कर क्वाटर फाइलन में जगह बनाई। जहां तमिलनाडू की टीम के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें मप्र फ्लोरबॉल पुरुष टीम ने 4-3 स्कोर से जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंची। सेमीफाइनल में मप्र फ्लोरबॉल पुरुष टीम ने पंजाब को 3-2 के स्कोर के साथ पटखनी देते हुए फाइनल में पहुँची। जहां हरियाणा और मप्र की टीमों के बीच भिड़ंत हुई। इस रोचक मुकाबले में मप्र फ्लोरबॉल पुरुष टीम के खिलाड़ियों 4-3 के स्कोर के साथ बढ़त बनाये रखी, लेकिन अंत में 6.4 के स्कोर के साथ मप्र की टीम को उपविजेता घोषित किया गया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश फ्लोरबॉल पुरुष टीम को सिल्वर मैडल प्रदान किया गया। स्पार्धा में आईटीएम के यश गोडवाल, अजयदीप, हरेंद्र, रौनक, यश मिश्रा और जितेंद्र रहे टीम के हीरो आपको बता दें कि पूरी स्पर्धा में मप्र की टीम में शामिल आईटीएम . यूनिवर्सिटी ग्वालियर क फ्लोरबॉल खिलाड़ी यश गोडवाल ने सर्वाधित गोल किये। वहीं अजयदीप सिंह रावत टीम कप्तान, हरेंद्र आर्य, रौनक टीम के हीरो रहे। इसके साथ ही डिफेंस में दीवार की तरह डटे रहे यश मिश्रा ने मप्र टीम को सम्हाला और गोल कीपर जितेंद्र ने टीम को इस मुकाम तक पहुँचने में मदद की ।

टीम में ये खिलाड़ी रहे शामिल -

मध्यप्रदेश फ्लोरबॉल पुरुष टीम में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के खिलाड़ी अजयदीप सिंह ने कप्तानी सम्हाली। वही आईटीएम के ही खिलाड़ी सौरव कुमार, आशीष प्रसाद , यश मिश्रा, रूपेश महाजन, हरेंद्र आर्य, विक्रम युवराज, आदर्श, कृष्णा शामिल थे । इसके अलावा टीम में यश गोड़वाल (अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व खिलाड़ी आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर), वंश प्रताप, रौनक, आरुष, मिलन्द शामिल थे। वहाँ महिला वर्ग में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्पोर्ट्स एंड एजुकेशन विभाग से प्रिया कुमार ने हिस्सा लिया।

कृषि में उपयोगी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस

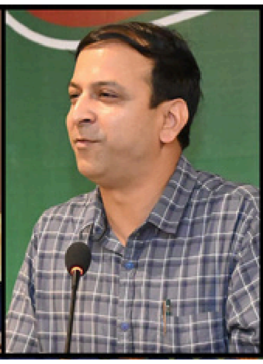

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एप्रेसिएशन-डे के उपलक्ष्य में 'रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ताओं के रूप में अक्षत अग्रवाल (वर्चुअल लैब आईआईटी दिल्ली) और डॉ. विभा तिवारी (माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ग्वालियर) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, स्कूल ऑफएग्रीकल्चर के डीन प्रोफेसर एनबी सिंह, एचओडी डॉ. शमा परवीन, कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर अवधेश किशोर, प्रोफेसर जेडी शर्मा, डॉ. सुधीर पाठक, डॉ. निवेदिता सिंह, डॉ. स्वप्निल मेश्राम, डॉ करूणानिधान सिंह, डॉ. कल्पना, डॉ. प्रदीप समाधिया, धीरेंद्र -उनिया, देवेंद्रप्रताप सिंह तोमर, मुरारी लाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वहीं कार्यशाला का संचालन छात्रा कुमारी अनीता द्वारा किया गया।

एआई के माध्यम से युवा एग्रीकल्चर के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं: अक्षत अग्रवाल

कार्यशाला में मुख्य वक्ता अक्षत अग्रवाल ने कहा कि एग्रीकल्चर के क्षेत्र में एआइ की सहायता से विभिन्न प्रक्रियाओं को अनुकूलित और बढ़ाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, कंप्यूटर, विजन, डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमेशन का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उद्देश्य कृषि उद्योग में आने वाली चुनौतियों का समाधान करते हुए फसल की पैदावार, रिसोर्स एफिशिएंसी और स्टेबिलिटी में सुधार करना है। उन्होंने एआइ के माध्यम से युवा एग्रीकल्चर के क्षेत्र में बूम लाकर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कार्यशाला में द्वितीय मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुई डॉ. विभा तिवारी ने पावर प्वाइंट 'प्रजेंटेशन के माध्यम से आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस का उपयोग ड्रोन के माध्यम से एग्रीकल्चर के क्षेत्र में किया जा सकता है। एआइ के माध्मय से रिमोट सेंसिंग के जरिये न सिर्फ ड्रोन को ऑपरेट कर सकते हैं, बल्कि ड्रोन के माध्यम से खेतों में उगाई जाने वाली फसलों पर उर्वरक के छिड़काव के साथ ही फसलों की निगरानी भी आसानी से की जा सकती है।

एआई के साथ एग्रीकल्चर के क्षेत्र में भविष्य में अपार संभावनाएं: वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय-

कार्यशाला के दौरान आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में AI का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में हो रहा है, और एग्रीकल्चर भी इससे अछूता नहीं है। कृषि, जो एक अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, AI की सहायता से अपने उत्पादन और कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार ला सकता है। प्रोफेसर उपाध्याय ने कहा कि AI का सही तरीके से उपयोग करके न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय इजाफा किया जा सकता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में स्थिरता आएगी।

उन्होंने बताया कि कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जहां प्राकृतिक समस्याओं और बदलते मौसम के कारण कई अनिश्चितताएँ होती हैं। AI के माध्यम से इन समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर समय रहते समाधान ढूंढा जा सकता है। डेटा विश्लेषण और मशीन लर्निंगकी तकनीकों का उपयोग करके फसल की बीमारियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पता लगाया जा सकता है, मिट्टी की गुणवत्ता का विश्लेषण कर उर्वरकों के उपयोग को अनुकूलित किया जा सकता है, और पानी के सही उपयोग को सुनिश्चित किया जा सकता है। इन सभी प्रक्रियाओं से कृषि कार्यों को अधिक कुशल बनाया जा सकता है, जिससे किसान कम संसाधनों का उपयोग कर अधिक उत्पादन कर सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि एग्रीकल्चर के क्षेत्र में AI के उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं। आज की युवा पीढ़ी, जो तकनीक और नवाचार में रुचि रखती है, इस क्षेत्र में AI का उपयोग करके कृषि को नए आयाम दे सकती है। AI के माध्यम से स्मार्ट खेती, स्वचालित सिंचाई प्रणाली, और ड्रोन तकनीक का उपयोग कर फसलों की निगरानी जैसे उन्नत तरीकों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

प्रोफेसर उपाध्याय ने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले समय में AI का उपयोग करके कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और लाभदायक बनाया जा सकता है। इसके साथ ही, AI के माध्यम से फसलों की कटाई, सिंचाई, बीज बोने और उर्वरक वितरण जैसे मैन्युअल कार्यों को स्वचालित करके श्रमशक्ति की बचत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर के क्षेत्र में भविष्य में अपार संभावनाएं हैं, और AI इन संभावनाओं को वास्तविकता में बदलने का एक प्रमुख साधन बन सकता है। युवा किसानों और उद्यमियों के लिए AI की समझ और उसका उपयोग कृषि के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ने नेशनल स्पॉर्ट्स-डे पर मेजर ध्यानचंद को किया याद

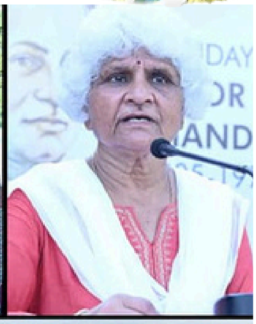

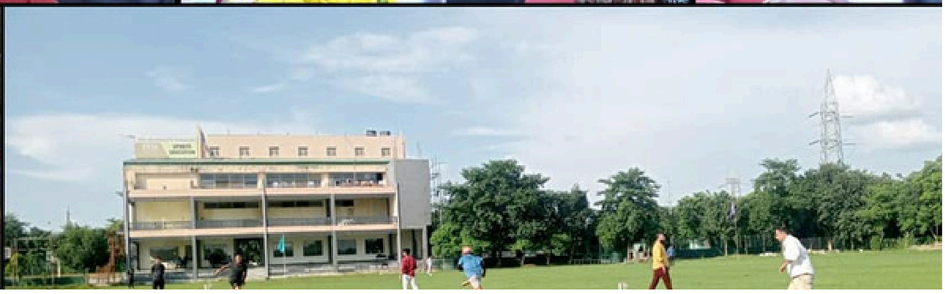

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफस्पॉर्ट्स एजुकेशन द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर नेशनल स्पॉर्ट्स-डे उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, डीन स्टूडेंट वेलफेयर तृप्ती पाठक, स्कूल ऑफस्पॉर्ट्स एजुकेशन के एचओडी डॉ. विपिन तिवारी, प्रोफेसर इंदु मजूमदार, स्पॉर्ट्स ऑफिसर विमल शर्मा, स्पॉर्ट्स ऑफिसर पंकज तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्टूडेंट्स और युवा खिलाड़ी विशेष रूप से मौजूद रहे।

स्पॉर्ट्स डिपार्टमेंट ने चलाया हॉकी का जादू, दिखाई गजब की पुर्ति आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ स्पॉर्ट्स एजुकेशन द्वारा नेशनल स्पॉर्ट्स-डे पर आयोजित कार्यक्रम के दौर मेजर ध्यानचंद की याद में मैत्री तिैचों का आयोजन किया गया। जहां हॉकी का मुकाबला स्पॉर्ट्स डिपार्टमेंट और मैनेजमेंट की टीम के साथ हुआ। इस मुकाबले में स्पॉर्ट्स डिपार्टमेंट की टीम ने गजब की पुर्ति दिखाते हुए मैच में जीत दर्ज कराई। वहीं क्रिकेट मैच स्पॉर्ट्स डिपार्टमेंट और एडमिन टीम के बीच हुआ। जहां क्रिकेट में एडमिन टीम ने जीत दर्ज कराई।

उधर रस्साकसी का मुकाबला स्पॉर्ट्स टीम और बीटैक सीएस स्टूडेंट्स की टीम के बीच हुआ जहां बीटैक सीएस स्टूडेंट्स टीम ने जीत दर्ज कराई। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागी टीम को अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान - किया गया।

युवा खिलाड़ियों का किया सम्मान

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ स्पॉर्ट्स एजुकेशन द्वारा नेशनल स्पॉर्ट्स-डे पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर और विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मैडल प्राप्त करने वाले संस्थान के खिलाड़ी और टीमों का सम्मान किया गया।

फुटबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी हेंद्र आर्य, विक्रम, अजयदीप सिंह रावत, सौरव, आशीष प्रसाद, आदर्श, युवराज व कोच पंकज तिवारी का सम्मान किया गया। इसके अलावा भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी ज्योति सिंह शिलेइमा चानू, प्रियंका यादव का भी सम्मान किया गया।

खेल हमें अनुशासन, संघर्ष, और टीमवर्क की भावना सिखाते हैं: वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय

प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसी दिन भारतीय दिग्गज खिलाड़ी ध्यानचंद का जन्म हुआ था। मेजर ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है। ध्यानचंद जी ने 22 साल के कॅरियर में सैकड़ों गोल किए थे। उनकी पुर्ति, जज्बा, टीम भावना गजब की थी। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं, जो हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं। खेल हमें अनुशासन, संघर्ष, और टीमवर्क की भावना सिखाते हैं। खेलों के माध्यम से हम अपने शरीर को स्वस्थ और मजबूत बना सकते हैं। खेल हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं और हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आप भी खेल की इस दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ना चाहते हैं तो आपको खेल के प्रति जुनून और जज्वा होने के साथ-साथ ईमानदारी और टीम भावना का होना जरूरी है।

इसी तरह गोया गर्ल्स राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली अदिति खांडेकर और शिव भट्टाचार्य को सम्मानित किया गया। वहीं ताइक्वांडो में कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी पवन अखारिया, पवन यादव, आयुष बुंदेला और कोच प्रदीप सिंह का सम्मान किया गया। इसी तरह जॉर्डन में एशियाई चैंपियनशिप में कुश्ती में भागीदारी कर चौथा स्थान प्राप्त करने वाले सागर ठाकरान को अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

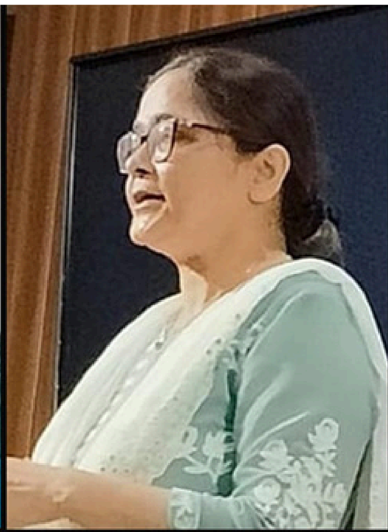

आईटीएम ने स्तनपान सप्ताह के तहत गांवों में कैंप लगाकर किया जागरूक

शिशुओं के दिमागी विकास के लिए मां का दूध सर्वोत्तम आहार है: डॉ. रश्मी गुप्ता

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफनर्सिंग साइंस द्वारा स्तनपान सप्ताह के तहत कैंप लगाकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही संस्थान में कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रश्मी गुप्ता, एमडी (बाल एवं शिशु रोग), प्रोफेसर निम्मी अल्पना गोपाला, डॉ. स्नेहलता, डॉ. अमृता जेसवानी (प्रसूति एवं स्त्री रोग नर्सिंग) आईटीएम हॉस्पिटल ग्वालियर से माधवी गुप्ता (आहार विशेषज्ञ), आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ नर्सिंग की डीन प्रोफेसर मिनी अनिल, डॉ. सुधारानी बी., प्रोफेसर अनुषी सिंह, प्रोफेसर अंबाली पंचोली, असिस्टेंट प्रोफेसर के. सरोजनी, असिस्टेंट प्रोफेसर निर्देश सिखरवार सहित नर्सिंग छात्र- छात्राएं मौजूद रहे। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं डॉ. रश्मी गुप्ता, एमडी (बाल एवं शिशु रोग) ने कहा कि बच्चों के दिमागी विकास के लिए मां का दूध सर्वोत्तम आहार है। उन्होंने कहा - कि बच्चों में जन्म से होने वाले रोगों की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए मां का दूध ही पर्याप्त होता हैं उन्होंने कहा कि जिन मां में दू कम बनता है उसके पीछे उनके खान-पान की मुख्य भूमिका रहती है। यदि वे गर्भधारण के समय से ही अपना खान-पान अच्छा रखें तो उनमें दूध बनने की क्षमता अधिक होगी।

कार्यशाला में शामिल हुईं आईटीएम हॉस्पिटल ग्वालियर से माधवी गुप्ता (आहार विशेषज्ञ) ने महिलाओं को जागरूक करते हुये कहा कि महिलाओं में अक्सर कमजोरी की समस्या होती है, यह कमजोरी खान-पान ठीक नहीं रखने के कारण होती है। इसलिये - अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए - नियमित खान-पान करें। उन्होंने बताया कि स्तनपान कराने से शिशुओं का सर्वांगीण विकास तो होता ही है, साथ ही मां भी मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहती है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक गर्भवती महिला को अपने खान-पान का तथा किस महीने में उनको किस तरह की आहार की आवश्यकता है उसके बारे में विशेष जानकारी दी।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफर्सिंग साइंस द्वारा स्तनपान सप्ताहँ के तहत बीएससी नर्सिंग के छात्र- छात्राओं द्वारा ग्वालियर जिले के सिकरोंदा आंगनबाड़ी केंद्र पर जागरूकता के लिए विभिन्न - गतिविधियों का आयोजन किया गया। जहां प्रथम दिवस हेल्थ चेकअप कैंप लगाकर बच्चों का वजन और टीकाकरण कार्ड की जांच की गई। द्वितीय दिवस माताओं को अपने शिशुओं को दूध पिलाने के लिये जागरूक करते हुए बताया गया कि शिशुओं के लिये मां के दूध से सर्वोत्तम और कुछ नहीं होता है। इसके साथ ही चतुर्थ दिवस गांव-गांव जागरूकता फैलाई गई।

आईटीएम स्कूल ऑफनर्सिंग साइंस द्वारा सिकरौंदा आंगनबाड़ी केंद्र पर पंचम दिवस बच्चे और स्तनपान कराने वाली मां का आकलन किया और सभी में से तीन स्वस्थ बच्चों का चयन उनके अभिभावकों को उपहार प्रदान किए गए। वहीं अंतिम दिवस नर्सिंग के छात्र एवं छात्राओं ने मिलकर आंगनबाडी केंद्र में उपस्थित माताओं को डिलीवरी के तुरंत बाद से मिलने वाली डाइट का चार्ट बना कर दिखाया और उससे होने वाले फायदे बताये।

छात्र-छात्राओं ने पौष्टिक खाने की गुणवत्ता का वर्णन किया और मां को नवजात शिशु के लिए लगातार 6 महीने तक सिर्फदूध और 6 महीने के बाद सॉफ्ट डाइट जैसे दलिया दाल का पानी इत्यादि के बारे में जागरूक किया। इस - अवसर पर मुख्य रूप से प्रोफेसर अंबाली पंचोली, प्रोफेसर निर्देश सिखरवार, आकाश, सत्येंद्र और नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ ही एनएसएस वॉलिंटियर मौजूद रहे।

आईटीएम में विश्व फिजियोथैरैपी दिवस पर 'मोटिवेशनल कार्यशाला' आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइंस के फिजियोथैरैपी डिपार्टमेंट द्वारा विश्व फिजियोथैरैपी दिवस पर मोटिवेशनल कार्यशाला और बीपीटी फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स के लिए ओथ सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि एलएनआईपीई के प्रोफेसर डॉ. मदन शर्मा शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने की। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रोफेसर सोनिया जौहरी, स्कूल ऑफ नर्सिंग साइस की डीन प्रोफसर मिनी अनिल, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइस की एचओडी डॉ. अंशुल, डॉ. पल्लवी, डॉ. नवनीत, मिस सान्या, डॉ. निझर, डॉ. यशुदास, ओकार और सचिन सहित अन्य प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। पीड़ित मानवता की सेवा करना ही फिजियोथेरेपी का उद्देश्य है प्रोफेसर डॉ. मदन शर्मा आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ मेडिकल एड पैरामेडिकल साइंस का फिजियोथेरपी डिपार्टमेंट द्वारा विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर आयोजित मोटिवेशनल कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ सदन शमा (एलएनआईपीई ग्वालियर) ने कहा कि फिजियोथैरेपी एक ऐसी नानव सेवा है जिसके माध्यम से हम समाज में प्रत्येक पोड़ित व्यक्तियों के दर्द कम करने में मदद करते है। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि आपका लक्ष्य सिर्फ पीड़ित मानवता की सेवा करना होना चाहिये। उन्होंने कहा कि फिजियोथैरेपी एक ऐसी पद्धति है, जिसके माध्यम से आप मानसिक रूप से तनावग्रस्त व्यक्तियों, पीठ या कमर दर्द से पीड़ित रोगियों का उपचार बिना सीजेरियन और दवा के ही आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंनेस्टूडेंट्स को अपने कार्य क्षेत्र में 100 प्रतिशत बेस्ट देने चाहिये। स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइंस के फिजियोथेरेपी डिपार्टमेंट द्वारा विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर आयोजित मोटिवेशनल कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज हम विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मना रहे हैं। यह उन फिजियोथेरेपिस्टों और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के प्रति समर्पित है जो बीमार पीड़ितों में बुनियादी से लेकर जटिल शारीरिक गतिविधियों में लक्षण मुक्त गतिविधि के अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करते हैं। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि आप अपने क्षेत्र में तभी सक्सेस हासिल कर सकते हैं जब आप अपने कार्य को पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से करें और इनोवेटिव आइडिया के साथ समाज हित में कार्य करें।

बीपीटी स्टूडेंट्स के लिये हुआ ओथ सेरेमनी का आयोजन

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में विश्वपिजियोथेरैपी दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइस द्वारा बीपीटी (वैचलर ऑफ पिजियोथैरैपी) फाइनल ईयर के पासआउट स्टूडेंट्स के लिये ओथ सेरेमनी का आयोजन किया गया। जहां फाइनल ईयर के पासआउट स्टूडेंट्स को अपने पेशे को पूरी ईमानदारी और पीड़ित समाज को स्वस्थ बनाने की शपथ दिलाई गई।

फिजियोथैरेपी आमजन को स्वस्थ जीवन जीने में मदद करती है: डॉ. अंशुल

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में विश्व फिजियोथैरेपी दिवस पर आयोजित 'मोटिवेशनल कार्यशाला' में स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइंस की एचओडीडॉ. अंशुलने कहा कि इस वर्ष कमर दर्द एवं इस के प्रबंधन और रोकथाम में पिजियो थैरेपी की भूमिका थीम पर विश्वपिजियोथैरेपी दिवस मनाया जा रहा है। यह थीम आमजन को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग और सक्रिय कदम उठाने और सशक बनाने के लिए है। इसके साथ ही फिजियोथेरेपिस्टों की महत्व पूर्ण भूमिका को बताती है,। जो व्यक्तियों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि फिजियोथैरेपी की शुरूआत एक मसाज के रूप में शुरू किया गया था लेकिन बदलते समय और तकनीकि के चलते इसे फिजियोथैरेपी नाम दिया गया। यह चैरेपी मलाज से पूरी तरह अलग है। इस थेरैपी का उपयोग माइनिक, अर्थो, न्यूरो जोड़ों में तोत्र या दौर्थ कालिक सूजन, गठिया जोड़ों में सूजन और दर्द को कम कर लोगों को स्वस्थ बनाने के लिए किया जाता है

पुनर्वास उपकरण प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन

विश्वपिजियोथैरेपी दिवस के अवसरपर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में फायरलेस कुकिंग, वर्किंग मॉडल और पुनर्वास उपकरण प्रदर्शनी प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। जिसमें एसओएमपीएस फिजियोथैरेपी और मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी विभाग के स्टूडेंट्स ने सक्रिय भागीदारी की। इसके साथ ही शैक्षणिक और पाठ्यक्रम के उत्कृश प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने की घोड़णा की गई। इसमें शीर्ष शैक्षणिक प्रदर्शन करनेवालों के लिए रैंकहोल्डर्स पुरस्कार। पूर्ण उपस्थिति बाल छात्रों के लिए बेंजामिन फ्रैंकलिन पुरस्कार। धीरे-धीरे बेहतर प्रदर्शन करनेवाले छात्र के लिए राईजंग स्टार पुरस्कार। पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आध न्यूटन रचनात्मकता पुरस्कार शामिल है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में 'राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति' विषय पर व्याख्यान आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में हिंदी उत्सव मनाया गया। स्कूल ऑफ साइंसेस विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उलक्ष्य के 'राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्थान के मधुलिमये सभागार मेंआयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य शामिल हुये । इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, डीन प्रोफेसर वायसी गोस्वामी, डीएसडब्ल्यू डॉ. तृप्ति पाठक, कार्यक्रम संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेखा वशिष्ठ, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. साधना चतुर्वेदी, संचालन डॉ. रीता शर्मा सहित विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। हिंदी भाषा हमें जोड़ने का कार्य करती है: साहित्यकार डॉ. भगवान स्वरूप चेतन्य

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ साइंसेस विभाग द्वारा हिंदी दिवस केउलक्ष्य में 'राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य ने कहा कि भारत में सभी धर्म एवं प्रांत के लोग एकत्रित होकर त्योहारों को मनाते है। ऐसी इंद्रधनुषीय संस्कृति हमारे देश में ही देखी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि हिंदी ही वह माध्यम है जिससे हमें स्वतंत्रता मिली, जिसने विभिन्न - व्यक्तियों को एकजुट किया एवं स्वतंत्रता की ओर अग्रसर किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमें जोड़ने का कार्य करती है। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति पर लिखी कविता सुनाते हुए हिंदी वंदना की और हिंदी के महत्व के वारे में विस्तार से जानकारी दी।

भारत की विस्तृत संस्कृति ही हमें अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है: वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय हिंदी दिवस के उलक्ष्य में 'राष्ट्रीयता, राष्ट्रभाषा एवं संस्कृति' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान के अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने हिंदी को प्रथम भाषा के तौर पर उपयोग करने में चुनौतियां पर प्रकाश डाला और हिंदी का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भारत की विस्तृत संस्कृति हमें अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। उन्होंने कहा कि हमें बहुभाषा का ज्ञान होना चाहिये। हमारे उज्जवल भविष्य की नींव होती है।

हमें विद्वान बनाती है। हमारी मातृभाषा हिंदी हमारे भाव को स्पष्ट करने में अत्यंत सहायक होती है। हिंदी हमारी पहचान, देश का गौरव एवं राष्ट्र का मान है: कार्यक्रम में आईटीएम स्कूल ऑफ साइंसेस विभाग के डीन प्रोफेसर वायसी गोस्वामी ने उपस्थित अतिथियों, स्टूडेंट्स और सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

आईटीएम में 'जावा स्क्रिप्ट और रिएक्ट जेएस' पर कार्यशाला

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग ने कोडिंग थिंकर ग्वालियर के सहयोग से 'जावा स्क्रिप्ट और रिएक्ट जेएस' पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कोडिंग थिंकर के वरिष्ठ विशेषज्ञ लवीश राठौड़ मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की प्रमुख डॉ. पल्लवी खत्री, कार्यक्रम संयोजक डॉ. गीतांजलि सुरगे, असिस्टेंट प्रोफेसर नीरज गोयल सहित विभागीय प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर मौजूद रहे।

विशेषज्ञ लवीश राठौड़ ने कहा, यह - एप्लीकेशन यूजर इंटरफेसर को रिस्पोंसिव बनाने के लिये किया जाता है और यह किसी भी डिवाइस पर एडजस्ट हो जाता है। उन्होंने एमबीसी एप्लीकेशन की मदद से किसी भी एप्लीकेशन में डेबलपमेंट और मेंटेनेंस करना असान हो जाता है। साथ ही डायनमिक राउटिंग के जरिए कम समय में एप्लीकेशन एक्सेस की जा सकती है। इसके साथ ही सिक्योरिटी इंक्रीज हो जाती है। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स को लाइव कोडिंग के साथ सीखने के अनुभव को समृद्ध किया।

कार्यशाला में कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर नीरज गोयल ने स्टूडेंट्स को मोटीवेट करते हुए कहा कि जावा स्क्रिप्ट और रएिक्ट जेएस के साथ ही नोड जेएस, मोंगो डीबी टेक्नोलॉजी का ज्ञान भी प्राप्त करना चाहिए। यह टेक्नोलॉजी भविष्य में आपके बहुत काम आने वाली हैं।

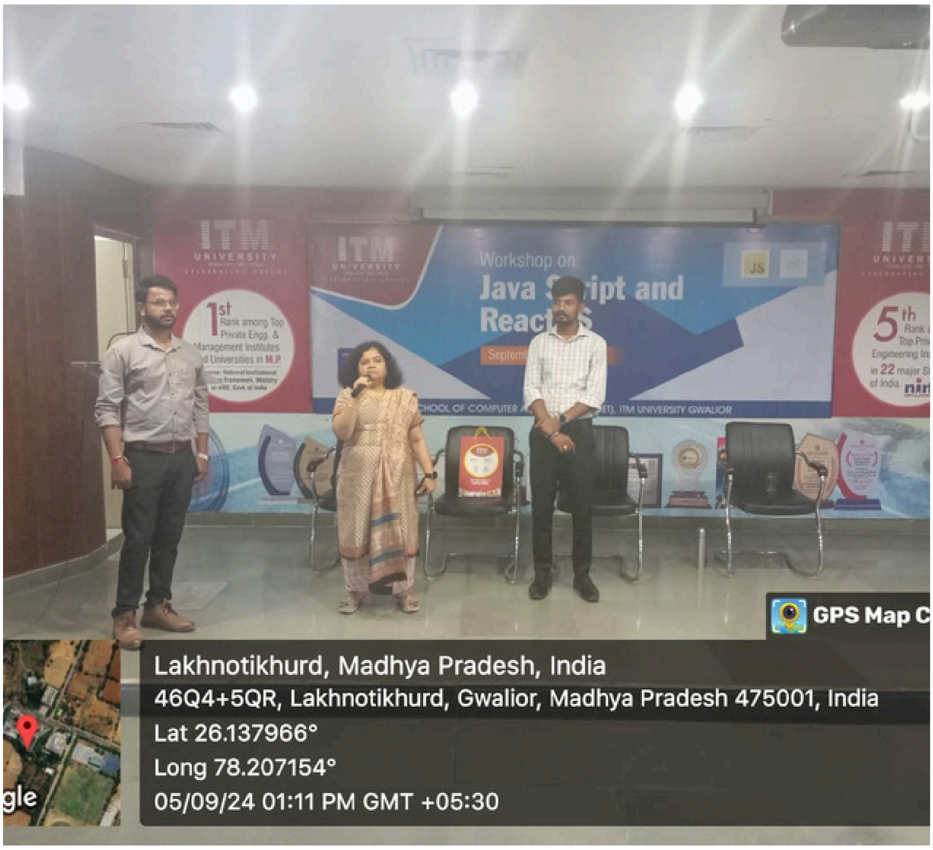

स्टूडेंट्स नवाचार की ओर अग्रसर रहें: डॉ. पल्लवी खत्री

कार्यशाला में कप्यूटर साइस एड एप्लीकेशस विभाग की प्रमुख डॉ. पल्लवी खत्री ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य जावा स्क्रिप्ट फ्रेमवर्क, एपीआई एकीकरण और आधुनिक वेब विकास प्रथाओं के साथ मूल्यवान व्यवहारिक अनुभव कराना है। उन्होंने स्टूडेट्स से कहा कि आप सभी ने चार दिवस तक इस कार्यशाला में जो प्रक्षिण प्राप्त किया है उसका प्रैक्टिकल जरूर करें और नवाचार की ओर अग्रसर रहें। इस तरह के प्रशिक्षण भविष्य में आप सभी के बहुत काम आने वाले हैं। क्योंकि आप यहां जो भी सीखेंगे वह भविष्य में आपकी प्रोफ्सनल लाइफऔर जॉब अपोर्चुनिटी के लिए बेहतर साबित होगा

कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का उपयोग करे डॉ सुरेगे

कार्यशाला का संयोजन कर रही डॉ. गीतांजलि सुरगे ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी का है। बिना टेक्नोलॉजी गतिविधियों के ज्ञान के आप आगे बढ़ ही नहीं सकते। इसलिये आपने इस कार्यशाला में जो भी ज्ञान अर्जित किया है उसका उपयोग कर आगे बढ़ें।

आईटीएम ने किया 'फेशन फिएस्टा-2024 का आयोजन

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा केसर टॉवर मॉल में शॉपर स्टॉप, रिलायंस, डीआईवाय, सफारी लगेज के सहयोग से 'फेशन फिएस्टा-2024 का आयोजन किया गया। जहां मुख्यअतिथिऔर जजेजकी भूमिका में फेशन डिजाइनर पूनम सप्रा और शिवानी सक्सेना शामिल हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अश्विनी शर्मा, काजल चौधरी, उत्कर्ष गोले, आकांक्षा तोमर, संजीवनी अगवाल सहित प्रतिभागी स्टूडेंट्स और जनसमूह मौजूद रहा।

फेशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में आप अपनी पहचान कायम कर सकते हैं: फेशन डिजाइनर पूनम सप्रा आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा केसर टॉवर स्थित मॉल में आयोजित 'फेशन फिएस्टा-2024 में बतौर अतिथि शामिल हुई फेशन डिजाइनर पूनम सप्रा ने स्टूडेंट्स का मोटिवेट करते हुए कहा कि वर्तमान समय फेशन डिजाइनिंग का है। इस क्षेत्र में आप हुनर के दम पर अपनी पहचान कायम कर कसते हैं।

लेकिन आपक हुनर को पहचान तब मिलेगी जब आप कुछ यूनिक करेंगे। उन्होंने आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा

स्टूडेंट्स को अपने अंदर छिपी कला को प्रदर्शित करने का मौका प्रदान किया जा रहा है, इस मौके को आप अपने हाथों से नहीं जाने देना। क्योंकि यही आपके प्रोफेसनल लाइफ में अला कदम बढ़ाने की सीढ़ी सावित होगी। आप अपने हुनर के बल पर किसी भी बेजान वस्तु में सुंदरता रूपी जान पृकन का ताकत रखते है: फशन डिजाइनर शिवाना सक्सेना स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा आयोजित 'फशन फिएस्टा-2024 में बतौर अतिथि शामिल हुई फेशन डिजाइनर शिवानी सक्सेना ने स्टूडेंट्स से कहा कि आप अपने हुनर के बल पर किसी भी बेजान वस्तु में सुंदरता रूपी जान फूंकने की ताकत रखते हैं। लेकिन इस ताकत का इस्तेमाल करना आपको आना चाहिये। उन्होंने कहा कि फेशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में आपकी क्रियेटिवीटी ही काम आने वाली है। जितना आप प्रैक्टिकल करेंगे उतना ही आप कॉन्फिडेंट होते जायेंगे। इस दौरान उन्होंने आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में फेशन एंड जिाइनिंग के क्षेत्र में संचालित होने वाले विभिन्न कोर्सेस के बारे में जानकारी दी। स्टूडेंट्स ने क्रिएटिव ड्रेपिंग, थाती ड्रेप्ड, क्रिएटिव शिबीरी कला और हेलोवीन थीम पर - कलेक्शन का प्रदर्शन किया

स्टूडेंट्स को प्रदान किए गए सर्टिफिकेट:

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा केसर टॉवर स्थित मॉल में आयोजित 'फेशन फिएस्टा-2024 के दौरान इस आयोजन में हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट्स को आयोजन कार्ता द्वारा सर्टिफिकट और ट्रॉनि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन विभाग की टीम द्वाग कोरियोग्राफी, प्रबंधन, परिधान चयन और मॉडल लाइन अप के पूर्ण समन्वय में मदद की गई।

आईटीएम यूनिवर्सिटी का नि:शुल्क विजन स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफनर्सिंग साइंसेस के अंतर्गत ऑप्टोमेट्री विभाग द्वारा 'नि:शुल्क विजन स्क्रीनिंग कैंप' का आयोजन किया गया। शहर के मोतीझील स्थित एकलव्य हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित इस कैंप में छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों की आंखों का चेकअप कुशल विशेषज्ञों द्वारा किया गया। साथ ही उन्हें आंखों की देखभाल करने सहित विभिन्न टिप्स देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफनर्सिंग साइंसेस के ऑप्टोमेट्री विभाग के अध्यक्ष मैथ्यू जॉर्ज, असिस्टेंट प्रोफेसर सुनील कुमार शाह सहित एसओएनएस के अंतर्गत अध्ययनरत प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे। 150 लोगों की आंखों का किया गया चेकअप

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आंखों - की देखभाल बहुत ही जरूरी है : मैथ्यू जॉर्ज आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित नि:शुल्क विजन स्क्रीनिंग कैंप के दौरान ऑप्टोमेट्री विभाग के अध्यक्ष मैथ्यू जॉर्ज ने कैंप में शामिल होने और आंखों का चेकअप कराने आए बच्चों और लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि आंखों मानव शरीर का एक अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसके बिना हम इस कलरफुल दुनिया को नहीं देख सकते।

उल्लास के साथ मनाया गया 'ओणम उत्सव'

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेस द्वारा 'ओणम उत्सव का आयोजन किया गया। जहां केरल की संस्कृति से जुड़े इस पर्व को बड़े ही उत्साह और उल्लास पूर्ण माहौल में स्टूडेंट्स ने 'पुक्कलम' सजाकर मनाया गया। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर मीनाक्षी मजूमदार, आईटीएम स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेस की डीन प्रोफेसर मिनी अनिल, असिस्टेंटप्रोफेसर मैथ्यू जॉर्ज, अनुशी सिंह, सुधारानी सहित विभिन्न विभागों के डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल हुए। पुक्कलम सजाकर किया 'ओणम उत्सव' का आगाज आईटीएम यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर के सिथौली कैंपस स्थित अन्नपूर्णा भवनमें नर्सिंग, ऑटोमेट्री, एग्रीकल्चर के स्टूडेंट्स और फैकल्टीज ने 'ओणम उत्सव' का आगाज पुक्कलम सजाकर किया। जहां स्टूडेंट्स और फैकल्टीज ने पुक्कलम केबारे में बताते हुए कहा कि पुक्कलम एक प्रकार की रंगोली है। यह सुंदर औरमनमोहक विशेष रंगोली विभिन्न फूलों की पंखुड़ियों और प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर बनाई जाती है। षटरस व्यंजनों का भोजन किया गया तैयार प्राकृतिक रंग और फूल पत्तियों से दमकता और महकता आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर का अन्नपूर्णा भवन केरल की संस्कृति से रचा रंगा और दमकता हुआ नजर आया। जहां ओणम उत्सव का उत्साह प्रत्येक स्टूडेंट्स में खासा देखने को मिला। इस अवसर पर नर्सिंग, ऑटोमेट्री, एग्रीकल्चर में अध्ययनरत बड़ी संख्या में केरल और आसपास के स्टूडेंट्स ने दक्षिण भारतीय भोजन षटरस व्यजनों को बनाया गया। जो काफी स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट था। इसका लुत्फसंस्थान के विभिन्न विभागों के उच्च पदाधिकारियों, डीन, एचओडी, मैनेजमेंट सदस्यों और स्टूडेंट्स ने लिया।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल साइंसेज द्वारा स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) जागरूकता माह के उपलक्ष्य में % बेसिक लाइफफ सपोर्ट (बीएलएस)% प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संस्थान के मधुलिमये सेमिनार हॉल में आयोजित प्रशिक्षण में अतिथि और एक्सपर्ट प्रशिक्षक के रूप में डॉ. रश्मि गुप्ता (बीएलएस प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर की पाठ्यक्रम निदेशक), डॉ. अजय उपाध्याय (बीएलएस प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर के पाठ्यक्रम समन्वयक) शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की डीन अकेडमिक डॉ. सोनिया जोहरी, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेटिकल साइंसेज की एचओडी डॉ. अंशुल, असिस्टेंट प्रोफेसर सान्या सेंगर, डॉ. पल्लवी सिन्हा, डॉ. नवनीत राजपूत, ओमकार सहित विभिन्न प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मेडिकल एंड - पैरामेडिकल सांइसेज द्वारा आयोजित बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण में बतौर अतिथि और एक्सपर्ट प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुई डॉ. रश्मि गुप्ता (बीएलएस प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर के पाठ्यक्रम समन्वयक) कहा कि सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) एक प्राथमिक चिकित्सा तकनीक है जिसका उपयोग आप तब कर सकते हैं जब किसी की सांस नहीं चल रही हो या उसका दिल रुक गया हो।

दिन और रात का संगम

संजना राजावत

दिन मुझे पापा की तरह डाँटता है,
रात माँ की लोरी की तरह सुला देती है।

दिन काँटों के बिस्तर सा चुभता है,
रात गुलाब की पत्तियों सी महसूस होती है।

दिन में उठना, अपने आप से लड़ना,
और लड़कर हार जाना —
मानो अब मजबूरी है मेरी।

रात सुलाती है, जगाती है,
पर सुकून महसूस कराती है।

दिन में रात का ख्वाब — मानो दवा है मेरी,
और रात में दिन का ख्वाब — मानो हिचकिचाहट है मेरी।

दिन दूसरों का होता है, मैं दूसरों के लिए होता हूँ,
रात मेरी होती है, मैं अपने लिए होता हूँ।

दिन के पल और उसकी भागदौड़ में,
बाहर से तो अच्छा दिखता हूँ,
पर क्या वो मैं होता हूँ —
इस पर अक्सर सवाल करता हूँ।

रात को सवाल तो होते हैं,
पर जवाब की ज़रूरत नहीं होती।
मैं ख़ुद में ही होता हूँ,
मुझे किसी की ज़रूरत ही नहीं होती।

कानों में सुकून, और मन में गहराई होती है...

रात मेरा सुकून है, और दिन मुझे काटता है।
रात मेरी माँ है, और दिन मेरे बाप सा।

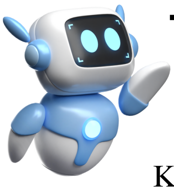

The AI Revolution in Journalism: Innovations, Ethics, and the Future of News

Kanak Rohit
Student of JMC

Artificial Intelligence (AI) is revolutionizing various industries, and journalism is no exception. With advancements in machine learning, natural language processing (NLP), and automation, AI is transforming how news is gathered, produced, and consumed. While AI offers numerous benefits, it also presents challenges that journalists and media organizations must navigate.

AI-powered tools are being used to generate news articles, summarize reports, and even create multimedia content. News agencies like The Associated Press and Reuters use AI to produce data-driven reports, such as financial updates and sports summaries, at an unprecedented speed and accuracy. AI-generated content ensures faster news dissemination, automated journalism is particularly useful for routine reports, freeing journalists for investigative work, and chatbots and virtual assistants enhance reader engagement by summarizing news and answering queries.

AI aids journalists in identifying breaking news, tracking trends, and verifying facts. Machine learning algorithms analyze vast amounts of data from social media, government reports, and other sources to detect misinformation and provide accurate information. AI-driven tools like Google Fact Check and Full Fact help combat fake news, sentiment analysis tools gauge public opinion on social issues, and AI monitors global events in real-time, assisting journalists in reporting urgent matters efficiently.
AI-driven algorithms analyze user behavior to deliver personalized news feeds. Platforms like Google News and Apple News curate content based on individual interests, ensuring readers receive relevant information. AI tailors news experiences, increasing reader engagement, chatbots and AI-powered recommendations improve user interaction, and AI helps media companies understand audience preferences for better content strategies.

While AI offers efficiency, it raises ethical concerns in journalism. Bias in AI can reflect biases present in training data, leading to biased news recommendations. Automation threatens traditional journalism jobs, reducing human involvement in reporting. AI-generated news may lack context and depth, affecting journalistic integrity. Additionally, deepfake technology and AI-generated fake news pose significant threats to credibility.

The future of journalism lies in a balanced integration of AI and human expertise. AI will assist journalists in research, content creation, and verification, but human judgment and ethical decision-making remain irreplaceable. News organizations must implement AI responsibly, ensuring fairness and transparency. Training journalists to use AI tools effectively will enhance newsroom efficiency, and collaboration between AI and human journalists can lead to more accurate and engaging storytelling.

AI is reshaping journalism by improving news production, fact-checking, and audience engagement. However, it also presents challenges that require careful consideration. The key lies in leveraging AI's strengths while maintaining journalistic integrity and ethical reporting standards. As technology evolves, the collaboration between AI and journalists will define the future of the media industry.

ब्लू टाइग्रेस दलिमा छिब्बर

भारत देश में जहां क्रिकेट का दब दबा है देश में क्रिकेट खिलाड़ी के नाम मुहज़ुबानी याद आते है। ऐसे में फ़ुटबॉल या अन्य खेल के खिलाड़ियों के लिए अपना नाम बनाना और उसे कायम रखना एक अलग चुनौती है। कड़ी मेहनत और तपस्या के बाद सुनील छेत्री,अदिति चौहान , बाइचुंग भूटिया जैसे कई नाम याद आते है।

इनमे एक नाम है , दलीमा छिब्बर भारतीय महिला फुटबॉल की सबसे प्रतिभाशाली और उभरती हुई खिलाड़ियों में से एक हैं। वह अपने मजबूत डिफेंस और नेतृत्व क्षमता के लिए जानी जाती हैं। दलीमा का जन्म 30 अगस्त 1997 को हुआ था और उन्होंने बहुत ही कम उम्र में फुटबॉल के प्रति अपनी गहरी रुचि दिखाई थी।

दिल्ली में पली-बढ़ी दलीमा ने स्कूल के दिनों से ही फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपनी पढ़ाई माउंट कार्मल स्कूल से पूरी की और फिर आगे की शिक्षा मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय से ली। पढ़ाई के साथ-साथ, उन्होंने फुटबॉल फुटबॉल में भी अपनी विशेष पहचान बनाई।

दलीमा छिब्बर भारतीय महिला फुटबॉल टीम की प्रमुख डिफेंडर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कई बार प्रतिनिधित्व किया है। उनका करियर तब सबसे ज्यादा चर्चा में आया जब उन्होंने 2019 में SAFF (साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन) चैंपियनशिप के फाइनल में नेपाल के खिलाफ एक शानदार गोल किया। इस गोल के बाद से वह भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के बीच और भी लोकप्रिय हो गईं।

दलीमा अपने तेज़ खेल, ताकतवर किक और मैदान पर मजबूत उपस्थिति के लिए जानी जाती हैं। वे फुटबॉल के साथ-साथ एक बेहतरीन लीडर भी हैं और कई बार भारतीय टीम की कप्तानी भी कर चुकी हैं।

1. 2016 में भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम में शामिल हुईं।
2. 2019 SAFF चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नेपाल के खिलाफ बेहतरीन गोल किया।
3. कनाडा में यूनिवर्सिटी ऑफ़ मैनिटोबा से फुटबॉल स्कॉलरशिप प्राप्त की और वहीं से अपनी फुटबॉल स्किल्स को और निखारा।
4. कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

दलीमा छिब्बर भारतीय महिला फुटबॉल की एक प्रेरणादायक चेहरा बन चुकी हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से आने वाले समय में वे और भी ऊंचाइयों तक पहुंचने की संभावना रखती हैं। वे भारतीय फुटबॉल को एक नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।

दलीमा का सफर यह दर्शाता है कि मेहनत, अनुशासन और समर्पण से किसी भी क्षेत्र में सफलता पाई जा सकती है। वे भारतीय महिला फुटबॉल की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक हैं और उनका करियर नई उंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

लोक अदालत यात्रा में छात्रों ने समझी न्यायलय प्रक्रिया

आमजन को कानूनी संसाधनों के प्रति शिक्षित होने की जरूरत: जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुप्ता

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफलों और लीगल एड क्लीनिक द्वारा एक दिवसीय लोक अदालत (जिला एवं सत्र न्यायालय ग्वालियर) यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बोएएलएलबी (ऑनर्स), बीकॉम बीबीए एलएलबी (ऑनर्स), बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स) तीसरे सेमेस्टर और एलएलबी तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। लोक अदालत यात्रा के दौरान माननीय पीसी गुप्ता (जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला कानूनी सहायता कार्यालय ग्वालियर के निदेशक), माननीय आशीष दवांडे (जिला न्यायाधीश और जिला कानूनी सहायता कार्यालय ग्वालियर के सचिव), माननीय विशाल अखंड (जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश), दीपक शर्मा (जिला कानूनी सहायता अधिकारी ग्वालियर) ने स्टूडेंट्स को मागदर्शन दिया। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में संचालित स्कूल ऑफ लॉ की डीन डॉ. शोभा भारद्वाज के मार्गदर्शन में लीगल एड क्लीनिक के कोऑर्डिनेट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर अंकुर श्रोत्रिय, सीनियर प्रोफेसर डॉ. वीके श्रोत्रिय, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पुण्डरीक शर्मा आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर पीसी गुप्ता (जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला कानूनी सहायता कार्यालय ग्वालियर के निदेशक) ने स्टूडेंट्स से कानूनी सहायता और कानूनी साक्षरता के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कमजोर वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कानूनी सहायता की भूमिका और जनता को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध कानूनी संसाधनों के बारे में शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया।

माननीय आशीष दवांडे (जिला न्यायाधीश और जिला कानूनी सहायता कार्यालय ग्वालियर के सचिव) ने स्टूडेंट्स से वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) और लोक अदालत के सिद्धांतों और फायदों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ये तंत्र कैसे विवादों को कुशलतापूर्वक और सौहार्दपूर्वक सुलझाते हैं, पारंपरिक न्यायालय प्रणाली पर बोझ कम करते हैं और एक अधिक सुलभ एवं न्यायपूर्ण कानूनी प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।

माननीय विशाल अखंड (जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश) ने स्टूडेंट्स को बताया कि लोक अदालतों का आयोजन विभिन्न कानूनी संस्थानों द्वारा किया जाता है। जिनमें राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा), राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (साल्साज) और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डील्साज) शामिल हैं। पैनल में आमतौर पर एक न्यायाधीश, एक कानूनी विशेषज्ञ और एक सामाजिक कार्यकर्ता या अन्य कानूनी ज्ञान रखने वाला व्यक्ति शामिल होता है।

दीपक शर्मा (जिला कानूनी सहायता अधिकारी ग्वालियर) ने स्टूडेंट्स को लोक अदालत तंत्र की प्रक्रिया पर चर्चा की। जिन्होंने लोक अदालत तंत्र की प्रक्रिया और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने बताया कि मामलों को लोक अदालत में कैसे संदर्भित किया जाता है, सामंजस्यकारों की भूमिका और सुलह की प्रक्रिया कैसे होती है।

लीगल एड क्लीनिक के सीनियर प्रोफेसर डॉ. वीके श्रोत्रिय ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्टूडेंट्स को लोक अदालत और व्यापक कानूनी सहायता प्रणाली के कार्यों में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है। इस यात्रा के दौरान स्टूडेंट्स को लोक अदालत की कार्यवाही के पीछे के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराया गया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत एक ऐसा तंत्र है जो न्याय वितरण को तेजी से सुनिश्चित करता है। न्यायालय प्रणाली की तकनीकी जटिलताओं में उलझे बिना वादियों को राहत प्रदान की जाती है।

स्टूडेंट्स ने जिला सत्र एवं न्यायालय ग्वालियर का भ्रमण कर न्यायालय में कार्यवाही का अवलोकन किया और न्यायाधीशों के साथ विशेष संवाद सत्र में हिस्सा लेकर माननीय न्यायाधीशों से उन मामलों की बुनियाद के बारे में सवाल-जवाब किये जो विशेष रूप से लोक अदालतों द्वारा निपटाए जाते हैं। यह लोक अदालत यात्रा कानूनी ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम थी, जो आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कानून विद्यालय के - शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ संरेखित है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में हुआ 'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2024' का आयोजन

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग द्वारा 'स्मार्ट इंडिया हैकाथोन- 2024' का अयोजन किया गया। संस्थान के मधुलिमये सभागार में आयोजित कार्यक्रम मेंकंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के एचओडी डॉ. मुकेश पांडेय, स्कूल ऑफ साइंसेस के डीन योगेश चंद्र गोस्वामी, कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय जैन और आनंद कुमार पांडे सहित विभिन्न विभाग के डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं विशेष रूप से मौजूद रहे।

इस तरह के आयोजन से छात्र- छात्राओं के विचार उन्हें नवाचार के साथ संस्कृति एवं समस्या समाधान की विकसित करती है। मानसिकता हैकाथोन में 40 टीमों ने लिया हिस्सा आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के - अंतर्गत कंप्यूटर साइंस एंड - एप्लीकेशन विभाग द्वारा आयोजित 'स्मार्ट इंडिया हैकाथोन-2024' का आयोजन दो सत्रों में किया गया। जहां इंजीनियरिंग, बीसीए, एमसीए, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस सहित सभी संकायों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। पहले सत्र सत्र में 22 टीम और द्वितीय सत्र में 18 टीमों सहित दोनों सत्रों में कुल 40 टीमों ने विभिन्न थीम और विषयों पर अपने-अपने विचार प्रकट किए। बता दें कि प्रत्येक टीम में छह छात्र-छात्राएं शामिल थे, इस तरह इस हैकाथॉन में 240 छात्र- - छात्राओं ने भागीदारी की।

छात्रों ने पर्यावरण स्थिरता से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में रखे अपने-अपने विचार आईटीएम यूनिवर्सिटी आयोजित ग्वालियर में 'स्मार्ट इंडिया हैकाथोन-2024' के तहत सभी टीम अलग-अलग विषय और थीम पर विचार के साथ प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने का टास्क दिया गया था। जिसमें ब्लॉकचैन, साइबर सिक्योरिटी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण स्थिरता, परिवहन एवं विकास, स्मार्ट एजुकेशन, स्मार्ट ऑटोमेशन, कृषि प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास, पर्यटन में आने वाले नए विचारों सहित कुल 26 विषय और थीम सभी टीमों के सामने रखीं गई। इन थीमों में से प्रत्येक टीम ने एक- एक थीम पर अपने विचार प्रस्तुत करने के साथ ही प्रोटेक्ट प्रस्तुत किए।

राष्ट्रव्यापी पहल है स्मार्ट इंडिया हैकाथोन: पांडे

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम संयोजक आनंद कुमार पांडे ने बताया कि 'स्मार्ट इंडिया हैकाथोन-2024 भारत सरकार की एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो छात्र-छात्राओं को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में हुआ इंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोगाम

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा एमएसएमई डीएफओ के सहयोग से इंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ता के रूप में दीपक अग्रवाल (सचिव एमपीसीसीआई), एसके रावत (असिस्टट डायरेक्टर ग्रेड-1 एमएसएमई डीएफओ इंदौर), अनुज्ञा हांडू (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एमएसएमई डीएफओ इंदौर), सीए शुभांगी चतुर्वेदी, अनीत शर्मा (एलडीएम सेंट्रल बैंक, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में संचालित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एचओडी केशव कंसाना, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गौरा चौहान, वर्तिका सिंह, सचि गुप्ता, लोतिका सुराना, आदित्य रंजन, आदित्य त्रिपाठी, शालिनी जैन, विनय गुप्ता, नितेश दुबे सहित अन्य प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ता दीपक अग्रवाल ने कहा कि सीएआईई ने नवाचार में तेजी लाने और ग्रामीण कृषि आधारित अर्थशास्त्र में सुधार के लिए स्व टिकाऊ कृषि व्यवसाय इंक्यूबेटर विकसित करने की योजना बनाई है। यह इनक्यूबेटर क्षमता निर्माण, व्यवसाय सुविधा और वित्त पोषण के माध्यम से कृषि व्यवसाय उद्यमों के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाएं नेटवर्क, साझेदारी और सहायता प्रदान करेंगे। वक्ता एसके रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) 2008 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य गैर-सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना है। वहीं अनुज्ञा डांबू ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम एमएसएमई का संक्षिप्त रूप है। ये वे कंपनियां हैं जिनका वार्षिक कारोवार और संयंत्र, मशीनरी और उपकरण निवेश निश्चित स्तर से नीचे हैं। सीए शुभागी चतुर्वेदी ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में 'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो इन दि बायोटेक एंड फार्मा सेक्टर्स इन इंडिया' विषय पर कार्यशाला आयोजित

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ साइंसेस एवं फार्मेसी विभाग द्वारा 'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो इन दि बायोटेक एंड फार्मा सेक्टर्स इन इंडिया' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।जहां मुख्य अतिथि के रूप में मयंक भारद्वाज (फाउंडर एंड सीईओ, रैप्चर बायोटेक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड नोएडा उप्र) शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूल ऑफसाइंसेस के डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी, फार्मेशी की डीन और कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर ऋऋचा कोठारी सहित विभिन्न विभागों के डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

जीवन में हमेशा जागरूक रहकर अपने कौशल को निखारना ही सफलता की कुंजी है: मयंक भारद्वाज आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ साइंसेस एवं फर्मेशी

विभाग द्वारा आयोजित 'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो इन दि बायोटेक एंड फर्मा सेक्टर्स इन इंडिया' विषय पर कार्यशाला में मुख्य अतिथि मयंक भारद्वाज (फाउंडर एंड सीईओ, रैप्चर बायोटेक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड नोएड उप्र) ने कार्पोरेट सेक्टर में बायोटेक की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे वैक्सीन, पीटीसी एंटीबॉडी बनाने में महत्वपूर्ण कार्य करती है। उन्होंने बायोटेक की परेशानियों से अवगत करया और उसके महत्वपूर्ण कारण बताए
जैसे जागरूकता की कमी, कुशलता की कमी आदि। उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता की कुंजी के बारे में बताते हुए कहा कि हमें सदैव जागरूक रहना चाहिए और अपना कौशल निखारने पर काम करना चाहिए जो हमें किसी भी कंपनी में नौकरी दिलाने में सहायक व महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सेक्टर की आवश्यकता

को पूर्ण करने वाले कौशल पर कार्य करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए आपदा में अवसर पर भी प्रकाश डाला। जीवन में लक्ष्य बनाओ और उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाओ, सफलता आपके कदमों को चूमेगी: डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में 'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो इन दि बायोटेक एंड फार्मा सेक्टर्स इन इंडिया' विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्कूल ऑफ साइंसेस के डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी ने स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि अगर आप जीवन में सफलता की उंचाईयों को प्राप्त करना चाहते हैं तो उसके लिए पहले आप निश्चय करें कि आपको को किस क्षेत्र में आगे बढना है।

फिर इस क्षेत्र में भविष्य के लिए एक नक्शा तैयार करें और उसे प्राप्त करने के लिये परिश्रम पूर्ण लग्न से जुट जाएं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बनाओ और उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाओ। ज्ञान कहीं से भी मिले ग्रहण करो, क्योंकि वह आपके जीवन में किसी ने किसी मोड़ पर काम आने ही वाला है।

जैसे जागरूकता की कमी, कुशलता की कमी आदि। उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता की कुंजी के बारे में बताते हुए कहा कि हमें सदैव जागरूक रहना चाहिए और अपना कौशल निखारने पर काम करना चाहिए जो हमें किसी भी कंपनी में नौकरी दिलाने में सहायक व महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सेक्टर की आवश्यकता

को पूर्ण करने वाले कौशल पर कार्य करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए आपदा में अवसर पर भी प्रकाश डाला। जीवन में लक्ष्य बनाओ और उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाओ, सफलता आपके कदमों को चूमेगी: डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में 'इंटर्नशिप एंड जॉब सेनेरियो इन दि बायोटेक एंड फार्मा सेक्टर्स इन इंडिया' विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्कूल ऑफ साइंसेस के डीन डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी ने स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि अगर आप जीवन में सफलता की उंचाईयों को प्राप्त करना चाहते हैं तो उसके लिए पहले आप निश्चय करें कि आपको को किस क्षेत्र में आगे बढना है - फिर इस क्षेत्र में भविष्य के लिए एक नक्शा तैयार करें और उसे प्राप्त करने के लिये परिश्रम पूर्ण लग्न से जुट जाएं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बनाओ और उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाओ। ज्ञान कहीं से भी मिले ग्रहण करो, क्योंकि वह आपके जीवन में किसी ने किसी मोड़ पर काम आने ही वाला है।

आयोजित कार्यशाला में फर्मेसी की डीन और कार्यक्रम संयोजक डॉ. ऋऋचा कोठारी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारे बीच सीईओ साहब मौजूद हैं।

आईटीएम यूनिवर्सिटी में 'कांच के पात्रों का संचालन' पर कार्यशाला

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ साइंसेस द्वारा 'कांच के पात्रों का संचालन' पर एक दिवसीय कार्यशाला और प्रयोगशाला अभ्यास का आयोजन किया गया।

संस्थान के मधुलिमये सभागार में आयोजित कार्यशाला में अतिथि औरएक्सपर्ट्स के रूप में बोरोसिल ग्लास इंडिया लिमिटेड से आए पदाधिकारी शुभमसिंह और संदीप नागले शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूल ऑफसाइंसेस विभाग के डीन वायसी गोस्वामी, असिस्टेंट प्रोफेसर रंजना गोस्वामी, डॉ. साधना चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

नवाचार ही आपकी स्किल कोपहचान दिलाती है: शुभम सिंह आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में स्कूल ऑफ साइंसेस विभाग द्वारा आयोजित 'कांच के पात्रों का संचालन' पर कार्यशाला में बोरोसिल ग्लास इंडिया लिमिटेड से आए एक्सपर्ट शुभम सिंह ने स्टूडेंट्स को ग्लास की वास्तविक परिभाष से अवगत कराते हुए कहा कि ग्लास एक ऐसा निष्क्रिय पदार्थ है जो अनुक्रियाशील है जो बोरोन ऑक्साइड, सोडियम ऑक्साइड एवं सिलिका ऑक्साइड से मिलकर बनता है।

उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि नवाचार ही आपकी स्किल को पहचान दिलाती है।इसलिये आप अध्ययन करने के साथ-साथ नवाचार फोकस करें। एक्सपर्ट शुभम सिंह बोरोसिल ग्लास की खासियत बताते हुए कहा कि बोरोसिलिकेट ग्लास को हीट रेजिस्टेंस ग्लास भी कहा जाता है। यह ग्लास लगभग - 196 डिग्री सेंटीग्रेट तक के तापमान को झेल सकता है। यह ग्लास स्पष्ट और रंगहीन होता है। यह ग्लास क्लोरीनीकरण और सल्फ़ेक्लोरीनीकरण जैसी

पोटोकैमिकल प्रतिक्रियाओं के लिए उपयुक्त है। यह ग्लास टूटने पर बड़े टुकड़ों में बिखरता है। यह ग्लास समय के साथ आकार, रंग, या पीकेपन में बदलाव नहीं लाता। यह ग्लास कम तापीय विस्तार के कारण संरचनात्मक रूप से मज़बूत होता है। यह ग्लास दबाव उपकरण बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। इस दौरान उन्होंने लैब में उपयोग होने वाले ग्लास और उसकी क्वालिटी के बारे में बताते हुए डैमो किया।

आईटीएम में स्वच्छता ही सेवा थीम पर पोस्ट मेकिंग प्रतियोगिता और नाट्य

स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

आईटीएम ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) की ओर से स्वच्छता ही सेवा थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन संस्थान के सिथौली कैंपस में किया गया। इसके साथ ही आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए नाट्य मंचन किया गया। मुख्य अतिथि आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मजूमदार ने कहा कि स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मनोज मिश्रा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार वर्मा सहित विभिन्न विभागों के डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में शुभम सिंह रहे अव्वल, दिया स्वच्छ भारत का संदेश

स्वच्छता ही सेवा थीम पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में एनएसएस के वॉलेंटियर छात्र-छात्राओं ने बड़े ही उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जहां स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं को रचनात्मकता के माध्यम से पोस्टरों पर उकेरा। प्रतिभागियों ने अपनी कला के माध्यम से सामाजिक संदेश फैलाने की कोशिश की, जिसमें स्वच्छता का महत्व, प्लास्टिक मुक्त समाज और स्वच्छ भारत के प्रति आमजन को जागरूक किया। इस प्रतियोगिता में छात्र शुभम सिंह प्रथम, हंशिका लालवानी द्वितीय और शिवांश तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के पश्चात आईटीएम ड्रामा क्लब के इंस्ट्रेक्टर संजय सिंह के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता ही सेवा विषय पर एक सशक्त नाटक का मंचन किया।

EVENTS @ITMU

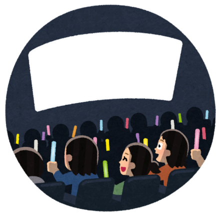

A workshop titled “Entrepreneurship and Job Scenario in Biotech and Pharma Sectors in India” was held at ITM University Gwalior. The event featured guest speaker Mr. Mayank Bharadwaj, Founder & CEO of Rapture Biotech International Pvt. Ltd., and was coordinated by Dr. Rita Sharma, Asst. Prof., Department of Biotechnology and Microbiology, and Prof. Richa Kothari, Dean, School of Pharmacy. Hosted by Ms. Kajol Batta, Asst. Prof., Department of Food Technology.5

Dean of the School of Sciences, Prof. Yogesh Chandra Goswami, delivered the opening remarks, encouraging students to focus on entrepreneurship over job seeking. Prof. Richa Kothari followed with insights into career opportunities in the pharmaceutical sector.

Mr. Bharadwaj discussed the challenges, benefits, and skills needed for success in Biotech and Pharma entrepreneurship, citing examples from his own journey. He also addressed students' questions on career development and entrepreneurship. The event concluded with a vote of thanks from Dr. Rita Sharma, who expressed gratitude to all dignitaries, faculty members, staff, and students for their support in making the event successful.

ITM University's Eco Club and NCC units organized a Tree Plantation Drive as part of the 'Ek Ped Maa Ke Naam' campaign, inspired by the vision of the Hon'ble Prime Minister of India. The event aimed to raise awareness about environmental conservation and the importance of trees. Faculty, students, and volunteers came together to plant over 30 saplings on the university campus and nearby areas. The campaign, meaning "A Tree in the Name of Mother," highlights the connection between motherhood and nature, both of which give and sustain life. The goal was to address issues like deforestation, climate change, and improving air quality. Volunteers helped prepare the ground, plant saplings, and water them, showing their commitment to a healthier environment. Native species like Neem and Peepal were planted, which are important for the local biodiversity

The event was led by Mrs. Trapti Pathak, DSW, ITM University, and Dr. Shiv Om Singh, Head of NCC and Environmental Science Department, with special guest Dr. Vinay Kumar Sethi, Nodal Officer from Uttarakhand Sanskrit University. He emphasized the need for such efforts to fight climate change. More eco-friendly activities are planned by the NSS and other university clubs to support a sustainable future, with strong support from the local community.

ITM Universe extends heartfelt gratitude to Mr. Mohin Mohammad (Manager Campus Recruitment – FINASTRA) for delivering such an insightful and impactful session. Your engaging delivery and practical examples truly resonated with the audience, and the feedback from the students has been overwhelmingly positive.

During the session, students explored various key frameworks:

ADOBE: Analyse, Do it, Open, Build lasting Relationships, Exceed Expectations

GROW: Goals, understanding Reality, exploring Options, and determining the Way forward.

SMART: Defining goals that are Specific, Measurable, Achievable, Relevant, and Time-bound.

STAR: Structuring responses to behavioural interview questions by outlining the Situation, Task, Action, and Result.

The Department of Journalism and Mass Communication at ITM University recently organized a dynamic RJ Hunt, bringing together participants from both the university and surrounding areas. Contestants displayed a wide array of talents, including voice modulation, mimicry, and poetry recitation, as they competed for the top spot. The event was judged by a panel of esteemed professionals: RJ Sangam, a renowned radio personality, theatre artist and educator Sanjay Jadon, along with the Head of the Department, Dr. Manish Jaisal, and Assistant Professor Sonali Singh. Their collective expertise provided insightful critiques and encouragement to the participants.

This RJ Hunt offered a valuable platform for students to explore their passion for radio, helping them develop skills crucial for a career in the media industry. The event focused on key areas such as vocal techniques, audience engagement, and performance delivery, allowing students to gain hands-on experience in a competitive yet supportive environment. Participants received constructive feedback that not only enhanced their current abilities but also offered guidance for their future growth.

Beyond being just a competition, the RJ Hunt was an enriching learning experience, helping students build confidence and professionalism. The success of the event reinforced the department's commitment to providing practical learning opportunities and preparing students for promising careers in radio and media.

The School of Sciences, ITM University Gwalior, in partnership with Borosil Scientific Pvt. Ltd., New Delhi, successfully conducted a workshop on "Glassware Handling and Good Laboratory Practices." The event, coordinated by Dr. Ranjana Goswami (Associate Professor, Dept. of Chemistry) and convened by Prof. (Dr.) Y.C. Goswami (Dean, School of Sciences), aimed to enhance participants' skills in laboratory safety and glassware handling. Dr. Sadhna Chaturvedi, Assistant Professor in the Department of Biotechnology, hosted the session.

Experts Mr. Sandeep Nagele and Mr. Subham Singh from Borosil provided in-depth knowledge on different glassware types, manufacturing processes, and safe handling practices. The workshop attracted around 200 participants, including students, research scholars, faculty members, and lab technicians from the School of Sciences, Pharmacy, and Agriculture. Attendees actively engaged with the experts, asking insightful questions and participating in discussions that contributed to an enriched learning experience.

School of Sciences organized a one-day industrial visit for undergraduate students to Manas Polymer Pvt. Ltd., located in Gwalior. The visit aimed to provide students with practical exposure to polymer manufacturing processes and applications.Students had the opportunity to explore the various departments and learn about the technologies and procedures used in polymer production. Experts from the company shared insights into the polymer industry, sustainable practices, and innovations in the field.This visit was a valuable learning experience, complementing their theoretical knowledge with real-world industrial exposure.University also expressed their heartily thanks to the Managing Director of Manas Polymer Pvt. Ltd., Gwalior, who have given this opportunity to the students.The visit was organized by Trapti Pathak, Dean, Student Welfare, ITMU to the students for their experiential learning about the Polymers as they have in their B.Sc. syllabus.

Following Faculty Members were visited to the Industry with students:
1. Dr. Rupali Rastogi, Associate Professor, Dept. of Chemistry, SOS
2. Mr. Sukhveer Singh, Lab Instructor, SOS
3. Mr. Surendra Rajdhar, Lab Instructor, SOS

Total 60 students have visited the industry from B.Sc. Biotech, Micro, Forensic Sci. & PCM and CS.

ITM University has been recognized as a prestigious Active SPOC (Single Point of Contact) for its outstanding performance and the participation of its candidates during the Jan-April 2024 session, in a Felicitation Ceremony held at IIT Kanpur. This recognition is a testament to the dedication and commitment of the university in promoting quality education through online learning platforms.

Additionally, we are thrilled to announce that our students have excelled in the SWAYAM-NPTEL courses, earning prestigious Gold and Silver Certificates. These achievements reflect their hard work, perseverance, and commitment to academic excellence.

We extend our heartfelt congratulations to all students and faculty members who contributed to this success. We encourage all students to continue engaging in such enriching opportunities for personal and professional growth. ITM University looks forward to celebrating many more such accomplishments in the future as we strive to foster a culture of continuous learning and achievement.

School of Law, ITM University Gwalior, successfully organized a guest lecture titled "हम, हमारी जमीन और हमारे कानून" (मध्यप्रदेश भू राजस्व सहिंता 1958) on 23rd September 2024 at 1:00 PM in the Moot Court Hall. The event featured Mr. Rajeev Samadhiya, Joint Collector & SDM Ghatigaon Gwalior, as the keynote speaker, attracting law students and faculty members.

The lecture began with a welcome address by Prof. (Dr.) Shobha Bhardwaj, Dean of the School of Law, welcomed the guest speaker and highlighted the importance of understanding land laws in Madhya Pradesh, especially the relevance of the Madhya Pradesh Land Revenue Code, 1959. She emphasized that this subject is essential for students pursuing careers in land laws and revenue laws.

Following her, Mr. Rajeev Samadhiya focused on the intricate relationship between land, people, and the laws governing it. He explained the various provisions of the law that affect land ownership, revenue collection, and dispute resolution, making it highly relevant for landowners, legal professionals, and the general public in Madhya Pradesh. Mr. Samadhiya encouraged students to engage with the subject by discussing real-life case studies that illustrated how land laws are applied in practice. Students actively participated, raising questions about land disputes, ownership rights, and the processes of revenue collection.

The guest lecture provided a valuable platform for students to enhance their legal knowledge, particularly in the field of land and revenue law, and highlighted ITM University's commitment to providing opportunities for academic growth through interaction with experienced professionals.

The event was coordinated by Priyansh Samadhiya, Assistant Professor, who ensured smooth execution of the program.

ITM

UNIVERSITY

GWALIOR • MP • INDIA